द फोटोन न्यूज

हिंदी दैनिक

सच के हक में...

झारखंड की राजधानी रांची से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार, 11 अप्रैल 2023 ● वर्ष : 01 ● अंक : 85 ● रांची संस्करण ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 ● www.thephotonnews.com

E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सुविचार

जो गुणज्ञ न हो, उसके सामने गुण नष्ट हो जाता है और कृतघ्न के साथ की गई उदारता नष्ट हो जाती है।

यामी गौतम लगातार सबसे सफल फिल्में दे रही है : कंगना रनौत

शेयर बाजार

सेंसेक्स	:	59,846.51
निफ्टी	:	17,624.05

सर्राफा

सोना	:	5,685
चांदी	:	80.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

इफ्तार (मंगलवार): 06.09
सेहरी (बुधवार) : 04.13

ब्रीफ न्यूज

झारखंड बंद का रांची में कोई भी असर नहीं

रांची : झारखंड यूथ एसोसिएशन, झारखंड उलगुलान मार्च, पंच परगना फाइटर और आदिवासी छात्र संघ के बैनर तले बुलाये गये झारखंड बंद का राजधानी रांची में कोई असर देखने को नहीं मिला। नियोजन और बेरोजगारी मुद्दे पर छात्र संगठनों ने सोमवार को झारखंड बंद बुलाया था। नौ अप्रैल को छात्र संगठनों ने रांची यूनिवर्सिटी से लेकर अल्बर्ट एक्का चौक तक मशाल जुलूस भी निकाला था। छात्रों द्वारा बुलाए गए बंद के मद्देनजर अधिकांश स्कूल बंद थे। आम दिनों की तरह दुकानें खुली रहीं। लोग अपने ऑफिस और कामों पर जाते देखे गए। सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी आम दिनों की तरह रही।

एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट से पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी बरी

मेदिनीनगर। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी को सोमवार को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। यह फैसला जज सतीश कुमार मुंडा की कोर्ट ने सुनाया। बाबूलाल मरांडी के अधिवक्ता अनिल पांडेय ने बताया कि पूरा मामला 29 अप्रैल 2011 का है। डालटनगंज के साहित्य समाज चौक के पास प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने के विरोध से जुड़ा है। इस मामले में बाबूलाल मंरांडी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि शहर में प्रशासन के अतिक्रमण हटाने के दौरान बाबूलाल मरांडी ने विरोध किया था। कोर्ट ने सुनवाई के बाद साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। बाबूलाल मरांडी ने कोर्ट के फैसले पर संतोष जाहिर करते हुए कहा कि उनके खिलाफ प्राथमिकी कराना गलत था।

सीएम की पहल पर बोकारो के अंकित को मिला कोचिंग संस्थान में नामांकन

रांची : बोकारो के छात्र अंकित कुमार का उच्च शिक्षा ग्रहण करने का सपना अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल के बाद साकार होने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद बोकारो के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने होनहार छात्र अंकित का कोचिंग संस्थान में नामांकन करा दिया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश के बाद बोकारो के उपायुक्त ने अंकित का नामांकन कोचिंग संस्थान में करा दिया। यही नहीं अंकित को पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। अब उसके पढ़ाई में कोई रोड़ा नहीं है। वहीं दूसरी ओर अंकित की माता बिराजू देवी को डॉ. भीमराव अंबेडकर आवास भी स्वीकृत कर दिया है। प्रखंड कार्यालय से उन्हें आवास स्वीकृति का पत्र भी उपलब्ध करा दिया गया है। अब वह स्वयं सरकार से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कर अपना आवास निर्माण करा सकती है।

बड़े पैमाने पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू, स्वरोजगार के लिए भी आर्थिक सहयोग दे रही सरकार : हेमंत

सीएम ने तसरिया, सुंदरपहाड़ी, गोड्डा में आयोजित विकास मेला सह जनता दरबार को किया संबोधित

प्रमुख संवाददाता, रांची।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पदाधिकारी भी पहुंच रहे हैं। सरकार भी जा रही है और योजनायें भी हकीकत में उतर रही हैं। हमारी स्पष्ट सोच है कि राज्य के सुदूरवर्ती और दूरस्थ गांवों में भी विकास रफ्तार पकड़े। मुख्यमंत्री सोमवार को तसरिया, सुंदरपहाड़ी, गोड्डा में आयोजित विकास मेला सह जनता दरबार को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि आप भी सरकार की योजनाओं को जानने -समझने का प्रयास करें और उसका लाभ लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो पढ़ें लिखे हैं और नौकरी करना चाहते हैं, उनके लिए सरकारी विभागों में खाली पदों पर बहाली की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। निजी क्षेत्र के संस्थानों और कंपनियों में भी स्थानीय युवाओं के लिए 75 प्रतिशत नौकरी सुरक्षित करने का कानून बना दिया गया है । जो कम पढ़े लिखे हैं और स्वरोजगार करना चाहते हैं, उनके लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना समेत कई योजनाओं को सरकार ने शुरू किया है।

तसरिया, सुंदरपहाड़ी, गोड्डा में आयोजित विकास मेला सह जनता दरबार में एक महिला को चेक सौंपते सीएम हेमंत सोरेन व अन्य ● फोटोन न्यूज

सीएम ने एकलव्य बालिका आवासीय विद्यालय में मल्टीपरपस ऑडिटोरियम की रखी आधारशिला

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को तसरिया, सुंदरपहाड़ी, गोड्डा स्थित एकलव्य बालिका आवासीय विद्यालय में मल्टीपरपस ऑडिटोरियम की आधारशिला रखी। इस मौके पर उन्होंने स्कूल भवन और यहां उपलब्ध व्यवस्थाओं और सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पढ़ रही बच्चियों से सीधा संवाद किया। बच्चियां भी अपने बीच मुख्यमंत्री को देखकर खुले दिल से पढ़ाई-लिखाई से संबंधित बातें साझा की। मुख्यमंत्री ने बच्चियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि आप सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दें। आपकी पढ़ाई का खर्च सरकार उठाएगी। शिक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में सरकार लगातार कदम उठा रही है। आपके लिए सरकार ने छात्रवृत्ति की राशि में भी बढ़ोतरी कर दी है। आप मेडिकल- इंजीनियरिंग आदि की तैयारी करना चाहते हैं तो उसके लिए भी सरकार आर्थिक सहयोग दे रही है। वहीं, यूपीएससी, जेपीएससी, एसएससी बैंकिंग और रेलवे जैसी प्रतियोगिता परीक्षाओं की कोचिंग का भी खर्च सरकार वाहन करेगी। इतना ही नहीं आपके मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई पर जो खर्च आएगा, उसे भी सरकार देगी । विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए भी सरकार शत-प्रतिशत आर्थिक सहयोग दे रही है।

योजनाओं से जुड़ने में महिलाएं आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां की महिलाएं सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए बढ़-चढ़कर आगे आ रहीं है। वे इन योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और सशक्त बन रहीं हैं। यह समाज के लिए सकारात्मक और बेहतर संकेत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के बच्चे -बच्चियों को बेहतर और गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। कई विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां निजी विद्यालयों की तर्ज पर पढ़ाई होगी। मॉडल स्कूलों के शिक्षकों को आईएमएम जैसे संस्थानों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। सरकार ने बच्चों की छात्रवृत्ति की राशि भी बढ़ा दी है। इसके साथ प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी से लेकर इंजीनियरिंग और मेडिकल आदि की पढ़ाई के लिए भी सरकार सहायता दे रही है। अब बच्चों को सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान देना है, पढ़ाई का खर्च सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी कोशिश हर व्यक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, ताकि उसे मुफ्त आनाज लेने की कभी जरूरत ही ना पड़े। इस दिशा में कई योजनाएं चल रही हैं। इन योजनाओं का मकसद आपको समृद्ध और खुशहाल बनाना है।

मुंबई : मंदिर के शेड पर पेड़ गिरने से सात लोगों की मौत, 35 घायल

एजेंसी, मुंबई।

महाराष्ट्र के अकोला जिले में रविवार को देर रात बारिश के दौरान एक मंदिर के शेड पर नीम का पेड़ गिर जाने की घटना में सोमवार सुबह तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। अब तक 35 घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस घटना में मृतकों के आश्रितों और घायलों को राज्य सरकार की ओर से आर्थिक मदद दी जाएगी।

रविवार को देर रात तक अकोला जिले के बालापुर तहसील में पारस गांव में स्थित बाबूजी महाराज संस्थान में आरती चल रही थी। इसी दौरान यहां जोरदार बारिश शुरू हो गई। इससे तकरीबन 45 भक्तगण मंदिर परिसर में बने टीन के शेड के नीचे आ गए थे। इसी दौरान अचानक मंदिर से सटा नीम का पेड़ शेड पर गिर गया। पेड़ इतना विशाल था कि सभी भक्तगण उसके नीचे दब गए। घटना की जानकारी मिलने पर बालापुर पुलिस स्टेशन की टीम फायर ब्रिगेड की टीम और जिलाधिकारी की टीम मौके पहुंची। बालापुर पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक अनिल जुंबले ने बताया कि इस घटना में अब तक 7 लोगों की जान जा चुकी है। कुछ लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। इनमें से कुछ लोगों के हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं और घायलों की संख्या 35 से अधिक है। इन सभी घायलों का अकोला के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना की जानकारी मिलते ही अकोला कलेक्टर नीमा अरोड़ा, रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर संजय खडसे, पुलिस अधीक्षक संदीप घुगे मौके पर पहुंचे और वहा का जायजा लिया।

इस घटना में अतुल आसरे (32), विश्वनाथ तायडे (35), पर्वताबाई महादेव सुशील (65), भास्कर अम्बिलकर (60), उमा महेंद्र खरोड़े (65) के रूप में हुई है। समाचार लिखे जाने तक दो मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है जबकि लक्ष्मण बुटे, रामभाऊ वासुदेव कसुरकर, रुखमा शालिग्राम तायडे, सुरेखा प्रकाश कांबले, संकेत लक्ष्मण बुटे सहित कई अन्य घायल हो गए हैं।

मंदिर के शेड पर गिरे नीम के पेड़ को जेसीबी से हटाते लोग ● एजेंसी

जमशेदपुर : हिंसा के बाद इंटरनेट डाउन जारी है धारा 144, भाजपा नेता गिरफ्तार

वरीय संवाददाता, रांची।

जमशेदपुर के शास्त्रीनगर हिंसा के बाद पूरे शहर में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। जबकि रविवार शाम से ही पूरे इलाके में धारा 144 लागू है। सोमवार को भी इलाके की स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। कई अधिकारी मौके पर कैंप कर रहे हैं।

इधर, उपद्रव में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी जारी है। इस घटना में शामिल 60 से अधिक लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जमशेदपुर में बीजेपी नेता अभय सिंह को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। सोमवार को हिरासत में लेने के बाद उन्हें बिष्टुपुर थाना ले जाया गया है। गौरतलब है कि शास्त्रीनगर के जटाधारी हनुमान मंदिर चौक के पास हनुमान झंडे के बांस में मांस का टुकड़ा एक प्लास्टिल में बांधने के बाद विवाद हो गया था। इससे पत्थरबाजी, और आगजनी हुई थी। हंगामे के बीच फायरिंग की भी बात सामने आ रही है।

पत्थरबाजी के बाद कई दुकानों में लगा दी गई आग : घटना की सूचना मिलने पर फौरन जमशेदपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस सबसे पहले हवाई फायरिंग की ताकि पत्थरबाजी कर रहे लोगों को तितर-बितर किया जा सके, लेकिन उपद्रवियों ने पत्थरबाजी के बाद कई दुकानों में आग लगा दी। कई वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया।इस हंगामे के बीच पूरा जमशेदपुर मानों जल उठा हो। जिसके बाद झारखंड अग्निशमन और टाटास्टील की दो दमकल गाड़ी मंगायी गयी और आग पर काबू पाया गया।

शांति बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च करती पुलिस ● फोटोन न्यूज

तीन घंटे तक चली थी पत्थरबाजी

दोनों समुदायों के बीच पत्थरबाजी करीब तीन घंटे तक चली। जिसमें जमशेदपुर एसएसपी प्रभात कुमार समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गये। घटना के बाद पुलिस न 60 से अधिक युवाओं को हिरासत में लिया और वज्र वाहन से उन्हें थाना भेज दिया गया। घटना की सूचना पर डीसी विजया जाधव भी घटनास्थल पर पहुंचीं थीं। फिलहाल क्षेत्र में तनाव का माहौल है। स्थिति पर काबू पाने के लिए रविवार शाम को ही इलाके में धारा 144 लागू कर दिया गया था। जिसके बाद इंटरनेट सेवा भी ठप कर दी गई ताकि कोई अफवाह ना फैले।

ऐसे बिगड़ा था माहौल

जानकारी के मुताबिक, मामला धार्मिक विवाद से जुड़ा हुआ है। दरअसल, शनिवार की शाम असामाजिक तत्वों द्वारा कदमा शास्त्रीनगर के पास चौक पर लगे बजरंगबली के झंडे के बांस में आपत्तिजनक चीज बांध दी गई थी। जिसके बाद हिंदूवादी संगठन एकजुट हो गए और इसका विरोध किया। दो घंटे तक हंगामा के बाद मामला शांत हुआ था, लेकिन रविवार को कदमा शास्त्रीनगर स्थित जटाधारी हनुमान मंदिर में हिंदूवादी संगठनों की बैठक रखी गयी थी। शाम के समय सभी बैठक कर ही रही थी कि किसी ने उनपर पत्थरबाजी शुरू कर दी।

कोरोना से निपटने के लिए राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में किया गया मॉक ड्रिल

सदर अस्पताल में 6 मिनट में एंबुलेंस से मरीज को उतार कर आईसीयू में किया भर्ती, स्वास्थ्य मंत्री रहे मौजूद

वरीय संवाददाता, रांची।

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य भर के अस्पतालों में सोमवार को मॉक ड्रिल किया गया। सदर अस्पताल रांची में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, अपर मुख्य सचिव अरुण सिंह, रांची डीसी राहुल सिन्हा और सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार की मौजूदगी में मॉक ड्रिल किया गया। इस दौरान 2 बजकर 10 मिनट में एंबुलेंस से मरीज को लाया गया और छह मिनट के अंदर मरीज को जांच, स्क्रीनिंग कर इमरजेंसी वार्ड के बेड पर भर्ती कर आईसीयू सिस्टम में लगा दिया गया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एलएमओ, ऑक्सीजन प्लांट, आरटीपीसीआर मशीन, जीनोम सिक्वेंसिंग मशीन, कोबास सहित मैनपावर का अवलोकन करना था। जिसको लेकर मॉक ड्रिल कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया गया। उन्होंने कहा कि झारखंड में हम कोरोना से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पीएसए प्लांट चलाने के लिए एनएचएम और डीएमएफटी फंड से कर्मी बहाल होंगे : स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि पीएसए प्लांट चलाने और अन्य जरूरी कर्मियों को भी जल्द ही बहाल किया जाएगा। एनएचएम के फंड से पीएसए प्लांट ऑपरेटर को बहाल करने के लिए बात की गई है। इस पर सहमति भी मिली है। इसके अलावा डीएमएफटी फंड के तहत भी मैन पावर की बहाली की जाएगी। बता दें कि कोरोना की दूसरे लहर के बाद पीएसए प्लांट ऑपरेटरों को काम से हटा दिया गया था। मंत्री ने बताया कि कोरोना के प्रभाव से बचाने के लिए वैक्सीन की भी मांग की गई है।

मॉक ड्रिल के दैरान भरती मरीज, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ● फोटोन न्यूज

राज्य भर में कोरोना से निपटने के लिए 1456 वेंटिलेटर बेड तैयार

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने बताया कि राज्य में वर्तमान में 21680 बेड सुरक्षित हैं। 1456 वेंटिलेटर युक्त बेड, 11336 ऑक्सीजन युक्त बेड हैं। 122 पीएसए प्लांट भी ठीक हैं। 27 आरटीपीसीआर लैब लगाने का काम प्रक्रियाधीन है। कुछ लग चुके हैं। व्यवस्था पूरी तरह से चाक- चौबंद है। पूर्व के एसओपी में गुणात्मक सुधार कर नई एसओपी जारी करेंगे। इसके अलावा उन्होंने बताया कि फायर नॉर्म्स सही है या नहीं, एलएमओ का प्रेशर ठीक है या नहीं, सभी का मूल्यांकन किया जा रहा है।

आज भाजपा करेगी सचिवालय का घेराव, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

वरीय संवाददाता, रांची।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य की सत्तारूढ़ हेमंत सरकार की कार्यशैली के विरोध में और भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर 11 अप्रैल को सचिवालय का घेराव करेगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। भाजपा के आंदोलन को देखते हुए रांची पुलिस ने सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम किये है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को भाजपा नेता और कार्यकर्ता सुबह प्रभात तारा मैदान में एकत्र होंगे और जुलूस की शक्ल में सचिवालय घेरने के लिए आगे बढ़ेंगे। भाजपा नेताओं और कार्यकताओं को सचिवालय की ओर कूच करने से रोकने के लिए पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर बैरिकेडिंग की गयी है। सोमवार को डीआईजी अनुप बिरथरे, डीसी राहुल सिन्हा और एसएसपी किशोर कौशल सहित अन्य वरीय अधिकारियों ने शहर में सुरक्षा के इंतजामों का जायजा लिया। अधिकारियों ने प्रभात तारा मैदान, अलग-अलग चौक-चौराहों पर लगे बैरिकेडिंग का निरीक्षण किया। व्यवस्थाओं को लेकर डीसी ने बताया कि विधि व्यवस्था सामान्य रखने और ट्रैफिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जवानों को तैनात किया गया है। उन्हें निर्देश दिये गये हैं कि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सुरक्षा व्यवस्था के लिए शहर में 20 इंस्पेक्टर और 250 दरोगा के अलावा लगभग तीन हजार अतिरिक्त जवान तैनात रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था में कहीं किसी प्रकार की चूक ना हो, इसका भी खास ख्याल रखा गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से मुख्यमंत्री आवास और प्रोजेक्ट बिल्डिंग पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है।

किबितू में 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का अमित शाह ने किया शुभारंभ

एजेंसी, इटानगर।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती गांव किबितू में 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीमावर्ती गांवों के प्रति जनता का दृष्टिकोण बदला है, अब सीमावर्ती क्षेत्र में जाने वाले लोग इसे आखिरी गांव नहीं, बल्कि भारत के पहले गांव के रूप में जानते हैं।

उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता हैं, सीमा की सुरक्षा ही राष्ट्र की सुरक्षा है इसलिए मोदी सरकार बॉर्डर पर इनफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। विरोधी पार्टी की 12 सरकारें बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जो काम नहीं कर सकी, वो प्रधानमंत्री मोदी ने दो कार्यकाल में ही कर लिया है।

किबितू में 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का शुभारंभ करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह व अन्य। ● एजेंसी

उन्होंने कहा कि हमारी सेना और आईटीबीपी के वीर जवानों के शौर्य के कारण कोई भी हमारे देश की सीमा की तरफ आंख उठा कर नहीं देख सकता। अब वो जमाना चला गया जब कोई भी भारत की भूमि का अतिक्रमण कर सकता था। आज एक इंच जमीन पर भी कोई अतिक्रमण नहीं कर सकता।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 3 चरणों में होने वाले वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के माध्यम से पूरी उत्तरी सीमा के सभी गांवों से पलायन रोकना, पर्यटन को बढ़ावा देना और शहरों जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना मोदी सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 के लिए सड़क संपर्क के लिए विशेष रूप से 2500 करोड़ रुपये सहित 4800 करोड़ रुपये के केंद्रीय योगदान के साथ ह्यवाइब्रेंट विलेज प्रोग्रामह्ल को मंजूरी दी है।

यह कार्यक्रम सीमावर्ती गांवों के लोगों के जीवनस्तर में सुधार करने में मदद करेगा और उन्हें अपने मूल स्थानों पर रहने के लिए प्रोत्साहित करेगा। जिससे इन गांवों से पलायन रुकेगा और सीमा की सुरक्षा भी मजबूत होगी। अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में उत्तरी सीमा से सटे 19 जिलों के 46 ब्लॉकों में 2967 गांवों की 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' के तहत व्यापक विकास के लिए पहचान की गई है।

'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' के तहत केन्द्र, राज्य, जिला और ब्लॉक-स्तर पर प्रशासन में पंचायत और ग्राम सभा की भागीदारी और जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाएगी और सभी योजनाओं पर शत-प्रतिशत अमल के लिए इन्हें इंटीग्रेटेड और कोऑर्डिनेटेड तरीके से तैयार किया गया है। 2014 के पहले समस्त पूर्वोत्तर को समस्याग्रस्त क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, लेकिन मोदी की लुक ईस्ट नीति के कारण अब पूर्वोत्तर समस्याग्रस्त नहीं, बल्कि संपन्नता व विकास के क्षेत्र के रूप में जाना जाने लगा है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 70 प्रतिशत नॉर्थ ईस्ट से अफ्सपा को हटा लिया है और वो दिन दूर नहीं है जब पूरे नॉर्थ ईस्ट से इसे हटा लिया जाएगा। मोदी सरकार की नीतियों के कारण हथियार उठाने वाले युवा आज मुख्यधारा में आकर भारत के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं।

अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश सरकार की नौ माइक्रो हाइडल परियोजनाओं और 120 करोड़ की लागत से आईटीबीपी की 14 परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, केन्द्रीय गृह सचिव और भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने किया चांगो, नाको व का-डोगरी गांव का दौरा

एजेंसी, रिकांगपिओ।

सीमावर्ती गांव को विकास की यात्रा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्रीय सरकार के वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत सोमवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जिला किन्नौर के पूह उपमण्डल के चांगो गांव का दौरा किया। राजस्व, बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने चांगो गांव के स्थानीय लोगों, स्वयं सहायता समूहों, आंगनबाड़ी कार्यकताओं से वार्तालाप किया और स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम, केंद्रीय सरकार की एक पहल है, जिसका लक्ष्य भारत के उत्तरी सीमा पर विरल आबादी वाले सीमावर्ती गांवों के बुनियादी ढांचे में सुधार करना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्र

चांगो गांव का दौरा करते केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत। ● एजेंसी

में अधोसंरचना विकास के तहत आवास, पर्यटन केंद्र, सड़क, विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा प्रदान करना इत्यादि शामिल है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से जहां विकास को गति प्रदान होगी, वहीं स्थानीय लोगों की अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ होगी।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम को सफल बनाने में भारत तिब्बत सीमा पुलिस, भारतीय सेना, गृह व रक्षा मंत्रालय तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा संयुक्त प्रयास किए जायेंगे।

इसके उपरांत केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने नाको गांव का दौरा किया, जहां उन्होंने ग्रामीणों का कुशल-क्षेम जाना। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि किन्नौर जिले के जिन क्षेत्रों में पानी की समस्या है, उसका निवारण केंद्र व प्रदेश सरकार साथ मिलकर करेंगी।

इस अवसर पर किन्नौर जिले की समृद्ध संस्कृति से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को जिला भाषा कार्यालय, महिला मंडल नाको व मलिंग के कलाकरों ने अपनी रंगारंग किन्नौरी सांस्कृतिक प्रस्तुति से रू-ब-रू करवाया।

केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान जिले के का-डोगरी स्थित सीमा सड़क संगठन के अधिकारियों के साथ वार्तालाप किया।

राजनैतिक स्वार्थ की वजह से आरक्षण नियमों में की गई अनदेखी : मायावती

एजेंसी, लखनऊ।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में वार्ता के दौरान भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के ध्यान में रखते हुए भाजपा के इशारे पर निकाय चुनाव में सीटों का आरक्षण किया गया है, जिससे दलितों का नुकसान हो। राजनैतिक स्वार्थ साधने के लिए आरक्षण नियमों की अनदेखी की गई है।

बसपा सुप्रिमो ने कहा कि काफी लम्बे समय के इंतजार के बाद उत्तर प्रदेश में यह चुनाव होने की तारीखों का ऐलान हुआ है। जिसका पार्टी स्वागत करती है। मैं कहना चाहती हूं कि बसपा ने यह चुनाव पूरी तैयारी और दमदारी के साथ लड़ने का फैसला लिया है। यह भी उम्मीद करती हो कि राज्य सरकार और निकाय चुनाव से संबंधित अधिकारी यह चुनाव पूरे तौर से फ्री एंड फेयर कराये। नगर निगम

मायावती का फाईल फोटो।

का भी चुनाव इवीएम से न कराके इसे भी सीधे तौर पर बैलेट पेपर से ही कराएं।

उन्होंने कहा कि सर्वविदित है कि विरोधी पार्टियों में भी विशेषकर भाजपा के लोग सपा की तरह ही, इस चुनाव में किस प्रकार हथकंडे और हर प्रकार के जोड़तोड़ करने में ही लगे हुए हैं। भाजपा की मुस्लिम समाज के प्रति नकरात्मक सोच का ही यह परिणाम है कि इनकी सरकार में भी वे लोग लगभग उतने ही गरीब, पिछड़े त्रस्त एवं जान-माल और मजहब आदि के मामले में भी अपने आपको वैसा ही असुरक्षित महसूस करते है, जितने वे कांग्रेस पार्टी के राज में थे।

अतीक की पत्नी, परिवार के किसी भी सदस्य को नहीं मिलेगा मेयर का टिकट

मायावती ने यह भी साफ कर दिया है कि प्रयागराज में पिछलें दिनों उमेश पाल की हुई हत्या के मामले में अतीक अहमद, उसकी पत्नी शाइस्ता परवीन और बेटों का नाम सामने आया है। मीडिया से जानकरी मिली है कि शाइस्ता परवीन फरार होने पर अब स्थिति बदल गई है। अब पार्टी अतीक की पत्नी और न ही इनके परिवार के अन्य किसी भी सदस्य को मेयर का टिकट नहीं देगी।

इसके साथ उन्हें पार्टी में रखने और न रखे का सवाल है तो उनके पुलिस के गिरफ्त में आते ही, जो भी इस केस को लेकर उनके बारे तथ्य सामने आएंगे तब इसका भी जल्द ही फैसला कर दिया जाएगा। क्योंकि हमारी पार्टी कानून से ऊपर नहीं। कानून का पूरा सम्मान करती है।

नितिन गडकरी ने किया जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन, जोजिला सुरंग का दौरा

जेड मोड सुरंग सोनमर्ग को सभी मौसम के लिए पर्यटन स्थल बना देगी : नितिन गडकरी

एजेंसी, श्रीनगर।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को श्रीनगर-लेह हाईवे पर जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन किया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और संसद सदस्यों के साथ जोजिला सुरंग का दौरा किया। सुरंग का उद्घाटन करने के बाद केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि यह सुरंग सोनमर्ग को सभी मौसम के लिए पर्यटन स्थल बना देगी।

इस अवसर पर नितिन गडकरी ने कहा कि अब तक जोजिला टनल का 28 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। इस टनल के बनने से लद्दाख के लिए ऑल वेदर कनेक्टिविटी होगी। अभी जोजिला दर्रे को पार करने के लिए कभी-कभी तीन घंटे का समय लगता है, लेकिन इस टनल के पूरा होने के बाद यात्रा का समय घटकर 20 मिनट हो जाएगा। यात्रा के समय में कमी से अंततः ईंधन की बचत होगी।

उन्होंने कहा कि जोजिला पास का इलाका बेहद दुर्गम है, यहां हर साल कई घातक दुर्घटनाएं होती हैं। जोजिला टनल के पूरा होने के बाद दुर्घटनाओं की संभावना शून्य हो जाएगी। यह टनल कश्मीर घाटी और लद्दाख के बीच साल भर संपर्क प्रदान करेगी, जो लद्दाख के विकास, पर्यटन को बढ़ावा देने, स्थानीय सामानों की मुक्त आवाजाही और आपात स्थिति में भारतीय सशस्त्र बलों की आवाजाही के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बेहतर रोड कनेक्टिविटी के माध्यम से जम्मू और कश्मीर के चौतरफा विकास के लिए कटिबद्ध है। लद्दाख के लिए सभी मौसम में संपर्क स्थापित करने के लिए जम्मू और कश्मीर में कार्यान्वित महत्वपूर्ण परियोजना और एशिया की सबसे लंबी टनल जोजिला टनल का आज जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिंहा तथा सड़क परिवहन और राजमार्ग की संसदीय सलाहकार समिति के सदस्य सांसदों की उपस्थिति में मुआयना किया।

जम्मू-कश्मीर में 25 हजार करोड़ रुपये की लागत से 19 टनल का निर्माण हो रहा है। इसके अंतर्गत जोजिला में 6800 करोड़ रुपये की लागत से 13.14 किमी लंबाई के टनल एवं एप्रोच रोड का निर्माण कार्य प्रगति पर है। यह 7.57 मीटर ऊंची घोड़े की नाल के आकार की सिंगल ट्यूब 2-लेन टनल है, जो कश्मीर के गांदरबल और लद्दाख के कारगिल जिले के द्रास शहर के बीच हिमालय में जोजिला दर्रे के नीचे से गुजरेगी।

जैव विविधता व धरती का लगातार बढ़ता तापमान सबसे बड़ा संकट : भूपेन्द्र यादव

एजेंसी, लखनऊ।

केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन व श्रम मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा है कि जैव विविधता का संकट व धरती का निरन्तर बढ़ता तापमान सबसे बड़ा संकट है। इसलिए पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करना है सोमवार को लखनऊ में उन्होंने कहा कि टाइगर सुरक्षा का कार्य हम कर रहे हैं। देश में टाइगर की संख्या में वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश में भी अब टाइगर रिजर्व तीन हो गए हैं। चौथे टाइगर रिजर्व के लिए मख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रस्ताव है। वह इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय 'नेशनल क्लाइमेट कॉन्क्लेव-2023' के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

भूपेन्द्र यादव ने कहा कि एथेनाल के उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश का नंबर वन राज्य बना है। प्रगति पथ पर बढ़ता उत्तर प्रदेश यह दशार्ता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मौसम परिवर्तन के कारण बाढ़ और समुद्रों में तूफान आता है। भारत में अर्ली वार्निंग सिस्टम डेवलप किया जा रहा है। इससे बाढ़ व तूफान आने से पहले सूचना प्राप्त की जा सकेगी।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 में दुनिया के सारे देश जलवायु परिवर्तन पर बात करने आये थे, प्रधानमंत्री ने मिशन लाइफ को दुनिया के सामने रखा। भारत ने कहा कि दुनिया में बढ़ते हुए तापमान के संकट से अगर निपटा जा सकता है तो विभिन्न देशों की सरकारों की नीतियों के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं और व्यक्तियों को अपने व्यक्तिगत व्यवहार में बदलाव लाना होगा। भारत ने वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में 2030 के लक्ष्य को समय से पहले 2021 में प्राप्त किया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने महागठबंधन की सरकार पर किया जमकर प्रहार, बोले

बिहार में कानून का राज स्थापित होना चाहिए

संवाददाता, भागलपुर।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन सोमवार को भागलपुर पहुंचे और उन्होंने बिहार में हुए हिंसा को लेकर महागठबंधन की सरकार पर जमकर प्रहार किया। शहनवाज हुसैन ने कहा कि हिंसा बिहार के हित में कहीं से सही नहीं है। बिहार में कानून का राज स्थापित होना चाहिए। तनाव कहीं भी हो तो सरकार को तुरंत एक्टिव होना चाहिए और उस पर उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री

संबोधित करते सहनवाज हुसैन व अन्य। ● द फोटोन न्यूज

शहनवाज ने कहा कि लोगों को हिंसा से दूर रहना चाहिए। 1989 के भागलपुर दंगों को याद दिलाते हुए कहा कि भागलपुर के लोग जानते हैं हिंसा कितना नुकसानदायक है। इसलिए सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को बनाकर लोगों को समाज में एकता का परिचय देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मूल मंत्र है सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास। इसी राह पर अगर बिहार सरकार चले तो कहीं कोई तनाव नहीं होगा।

उन्होंने महागठबंधन की सरकार को लेकर कहा कि जब भाजपा हुकूमत में थी तो नीतीश कुमार को यह पार्टी अच्छी लगती थी। लेकिन जब भाजपा से अलग हुई है तो वह बुरी हो गई। यह कहीं से सही नहीं है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार मीठा मीठा गप गप और तीता तीता थू थू करने वाली सरकार है।

2024 चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में 40 सीट में 39 सीट भाजपा ने जीती थी। इस बार 40 में 40 सीट भाजपा जीतेगी और पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। महागठबंधन कहती है कि भाजपा को उखाड़ फेंकेगी। भाजपा कोई गाजर मूली नहीं जिसे उखाड़ कर फेंका जा सके।

ब्रीफ न्यूज

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी 14 अप्रैल को खूंटी आएंगे

खूंटी : खूंटी कांग्रेस के अध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की और जिला प्रभारी सुरेश बैठा और विधानसभा प्रभारी अमरेन्द्र विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में कांग्रेस द्वारा आहूत जय भारत सत्याग्रह को लेकर झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय के 14 अप्रैल को होनेवाले खूंटी दौरे को लेकर विचर विमर्श किया गया। बैठक में सांगठनिक मुद्दों के अलावा भारत सत्याग्रह को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष राम कृष्णा चौधरी, पीटर मुण्डू, जमिल अन्सारी, फिरोज आलम, मरियम आईन्द, सयूम अंसारी, सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा ने प्रचार वाहन को किया रवाना

रांची : भारतीय जनता पार्टी ने रांची में अपने प्रचार वाहन को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने सोमवार को भाजपा झंडा दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन पूरे रांची जिले के कोने कोने में जाकर लोगों को मंगलवार के आंदोलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेगा। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, बालमुकुंद सहाय, प्रदीप वर्मा, शिवपूजन पाठक, प्रतुल शाहदेव, अमित कुमार, अशोक बड़ाईक, अविनेश कुमार, केके गुप्ता, संजय जयसवाल, शोभा यादव, सूर्य प्रभात, सतीश सिन्हा, राहुल शाहदेव सहित कई उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने मंगलवार को राज्य में हेमंत हटाओ, झारखंड बचाओ आंदोलन के तहत सचिवालय घेरने का ऐलान किया है।

सरकार ने कहा, भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए पर वार्ता जारी

नई दिल्ली : भारत सरकार ने सोमवार को उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया है, जिसमें यह दावा किया गया था कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से जुड़ी वार्ता प्रक्रिया हाल ही में लंदन में खालिस्तानी समर्थकों के हमले के बाद रोक दी गई हैं। सूत्रों का कहना है कि इस तरह की रिपोर्टें पूरी तरह से निराधार हैं। उनका यह भी कहना है कि भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए पर अगली दौर की चर्चा लंदन में 24 अप्रैल को संभावित है। दोनों के बीच व्यापार वार्ता का आठवां दौर 20 से 31 मार्च तक सम्पन्न हुआ था। उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश मीडिया रिपोर्टों में वार्ता रोके जाने से जुड़ा दावा किया गया था। इसमें कहा गया था कि भारतीय उच्चायोग पर हुए हमले में शामिल समूह के खिलाफ भारत कठोर कार्यवाही चाहता है। इस बीच ब्रिटेन के व्यापार और वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता ने कहा है कि भारत और ब्रिटेन महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभप्रद एफटीए के लिए प्रतिबद्ध हैं और पिछले महीने व्यापार वार्ता के नवीनतम दौर का समापन हुआ है।

करोड़ों रुपये खर्च कर जासूसी सॉफ्टवेयर खरीद रही है केंद्र सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली : कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार जासूसी सॉफ्टवेयर खरीदने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से मोदी सरकार नेताओं, पत्रकारों व विपक्षी नेताओं पर निगरानी रखना चाहती है। कांग्रेस मुख्यालय में सोमवार को आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि पेगासस जब बदनाम हो गया तो मोदी सरकार नया स्पाईवेयर मार्केट में ढूंढ रही है। ये नया स्पाईवेयर पेगासस का विकल्प है। केन्द्र सरकार अब नया स्पाईवेयर को खरीदने के लिए 986 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है। खेड़ा ने कहा कि पीएम मोदी को किसी पर भरोसा नहीं है। उन्होंने विपक्ष के नेताओं के साथ-साथ अपनी पार्टी के नेताओं की भी जासूसी कराई है। खेड़ा ने कहा कि कॉग्नाइट एक स्पाईवेयर है। यह पेगासस की तरह ही काम करता है। मोदी सरकार इसे खरीदने जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मोदी सरकार से पूछना चाहती है कि किस मंत्रालय को इस कॉग्नाइट सॉफ्टवेयर को खरीदने का काम दिया गया है। मोदी सरकार इसे खरीदने के लिए कितना खर्च कर रही है। सरकार देश को बताए कि इस सॉफ्टवेयर को किस आधार पर अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कांग्रेस की छवि बिगाड़ रहे हैं आजाद : जयराम रमेश

नई दिल्ली : कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद पार्टी की छवि बिगाड़ रहे हैं। वह अपने साक्षात्कार के दौरान कांग्रेस पर मनगढंत आरोप लगा रहे हैं। ऐसा वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को खुश करने के लिए कर रहे हैं। रमेश ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि हर बीतते दिन के साथ आजाद अपने विश्वासघात की सीमा बढ़ा रहे हैं। वह पीएम मोदी के प्रति अपनी नई वफादारी का प्रदर्शन करने के लिए अपना स्तर गिराते जा रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व पर उनके बयान खबरों में बने रहने की उनकी हताशा और उनके असली चरित्र दशार्ते हैं। उनकी जितनी निंदा की जाए कम है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों आजाद ने एक समाचार चैनल से बातचीत के दौरान कहा था कि राहुल गांधी जब विदेश दौरे पर जाते हैं तो वहां अवांछित व्यापारियों से मिलते रहे हैं। बीते दिनों राहुल गांधी ने भी कहा था कि कांग्रेस छोड़ चुके कुछ नेताओं का संबंध गौतम अडानी से रहे हैं। बीते वर्ष अगस्त महीने में गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी थी। उन्होंने बाद में डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी (डीएपी) बनाई।

'आप' बनी राष्ट्रीय पार्टी, तृणमूल और एनसीपी से छीना दर्जा

नई दिल्ली : केंद्रीय चुनाव आयोग ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) का राष्ट्रीय दर्जा समाप्त कर दिया। इसके अलावा नागालैंड में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास); मेघालय में वॉइस ऑफ द पीपल पार्टी और त्रिपुरा में टिपरा मोथा को मान्यता प्राप्त राज्य राजनीतिक दलों का दर्जा दिया गया है। वहीं पीडीए (मणिपुर), पीएमके (पुडुचेरी), आरएलडी (उत्तर प्रदेश), बीआरएस (आंध्र प्रदेश), आरएसपी (पश्चिम बंगाल) और एमपीसी (मिजोरम) से राज्य दलों का दर्जा वापस ले लिया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह कर्नाटक उच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को 13 अप्रैल तक आप की राष्ट्रीय पार्टी की स्थिति के बारे में उचित आदेश पारित करने का निर्देश दिया था।

समर्थ, समृद्ध, स्वाभिमानी भारत ही वैश्विक शांति की गारंटी है - दत्तात्रेय होसबाले

जयपुर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का विश्वास है कि समर्थ, समृद्ध, स्वाभिमानी भारत ही वैश्विक शांति की गारंटी है। और भारत तभी समर्थ, समृद्ध और स्वाभिमानी हो सकता है, जब भारत का प्रत्येक व्यक्ति समर्थ, समृद्ध और स्वाभिमानी हो। जयपुर के जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ में चल रहे सेवा भारती के तीसरे राष्ट्रीय सेवा संगम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने देश भर से आए कार्यकताओं को सेवा साधक की संज्ञा देते हुए आह्वान किया कि हम सभी को भारत के इस महान चित्र को अपने सामने रखकर कार्य करना होगा। भले ही हम छोटी इकाई पर कार्य कर रहे हों, लेकिन हमारा विचार वैश्विक होना चाहिए। सरकार्यवाह होसबाले ने समाज के उस हिस्से को भी संबल देने की आवश्यकता पर बल दिया जो हाशिये पर माना जाता है। उन्होंने किन्नर समाज, कुष्ठ रोगी, वेश्यावृत्ति के लिए विवश महिलाओं के बच्चों पर चिंता जताते हुए कहा कि समाज के इस हिस्से को सशक्त करने की चिंता भी समाज को करनी होगी, इसके लिए सरकार के भरोसे बैठना उचित नहीं हो सकता। हाशिये पर माने जाने वाले समाज के इस हिस्से के प्रति सोच को बदलने व उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए सामूहिक सामाजिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि सेवाकार्य का सबसे पहला चरण सेवा के विचार का अधिष्ठान है। दूसरा चरण, उस कार्य के करने के लिए साधनों का है। तीसरा चरण कार्य को मूर्तरूप देने का है। इसके बाद चौथा चरण ईश्वरीय कृपा का है। जिस तरह किसान खेत जोतता है, बुवाई करता है, लेकिन अंत में फसल के अनुकूल बारिश, सर्दी, गर्मी ईश्वर प्रदान करता है।

हाईकोर्ट ने गढ़वा नगर परिषद से पूछा डंपिंग यार्ड बन रहा है या ट्रीटमेंट प्लांट ?

लाल भुइयां की दाखिल जनहित याचिका पर हुई सुनवाई, आठ मई तक जवाब दाखिल करने का निर्देश

विशेष संवाददाता, रांची।

गढ़वा के रहने वाले राम लाल भुइयां की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान झारखंड हाईकोर्ट ने गढ़वा नगर परिषद से पूछा है कि गढ़वा में डंपिंग यार्ड बन रहा है, या ट्रीटमेंट प्लांट? झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने गढ़वा नगर परिषद को आठ मई तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही परियोजना की डीपीआर रिपोर्ट भी पेश करने को कहा। इस मामले में अब आठ मई को सुनवाई होगी। सोमवार की सुनवाई के दौरान गढ़वा के सीओ अदालत में सशरीर हाजिर हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि सुखवा गांव में डंपिंग यार्ड नहीं बन रहा, बल्कि ट्रीटमेंट प्लांट बन रहा है। इस पर अदालत ने नगर परिषद को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

प्रार्थी के अधिवक्ता ऋषि पल्लव ने अदालत को बताया कि नगर परिषद की ओर से गढ़वा में कचरा के लिए डंपिंग यार्ड बनाया जा रहा है। जहां यार्ड बनाया जा रहा हैं, वहां गांव है और सघन आबादी के साथ मंदिर और तालाब भी है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के तहत बिना जमीन चिह्नित किए ही डंपिंग यार्ड बनाना उचित नहीं है।

हिंदी विद्यापीठ देवघर से 26 फरवरी 2015 तक जारी सभी प्रमाणपत्र मान्य होंगे : हाईकोर्ट

रांची : देवघर की सरोजनी हांसदा की याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने कहा है कि हिंदी विद्यापीठ दे?वघर से 26 फरवरी 2015 तक जारी सभी प्रमाणपत्र मान्य होंगे। झारखंड हाईकोर्ट ने सोमवार को यह आदेश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने झारखंड सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें 26 जून 2014 से पहले जारी मैट्रिक और अन्य प्रमाणपत्रों को निरस्त कर दिया गया था। झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ। एसएन पाठक की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि पूर्व में हाईकोर्ट ने एक अन्य मामले में यह स्पष्ट आदेश दिया है कि विद्यापीठ से 26 फरवरी 2015 तक जारी प्रमाणपत्र वैध माने जाएंगे। प्रार्थी ने अपनी याचिका में कहा था कि स्वास्थ्य विभाग में अनुकंपा के आधार पर अनुसेवक के पद पर नियुक्त हुई है।

तबरेज अंसारी मॉब लिंचिंग मामला : स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए राज्य सरकार को मिला दो सप्ताह का समय

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सोमवार को रांची में राजेंद्र चौक के पास हंगामा और इकरा मस्जिद के पास चाकूबाजी की घटना मामले में पंकज यादव की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में राज्य सरकार ने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 1 मई निर्धारित की है। दरअसल, सरायकेला में तबरेज अंसारी की भीड़ की पिटाई से मौत होने के बाद रांची में 5 जुलाई 2019 को राजेंद्र चौक के पास हंगामा और इकरा मस्जिद के पास चाकूबाजी की घटना हुई थी। इस घटना की पिछली सुनवाई में कोर्ट ने डीजीपी से पूछा था कि उस दिन रांची के डोरंडा में अशांति फैलाने की घटना को लेकर कितने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी, कितने लोगों की गिरफ्तारी की गई थी। कोर्ट ने इन सभी बिंदुओं पर डीजीपी से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार ने पैरवी की। जून 2019 को सरायकेला खरसावां में तबरेज अंसारी के मॉब लिंचिंग की घटना हुई थी। इसे लेकर रांची में 5 जुलाई 2019 को मुस्लिम धर्मावलंबियों ने नमाज अदा करने के बाद हजारों की संख्या में रांची के उर्स मैदान में सरायकेला में तबरेज अंसारी के हत्याकांड को लेकर आक्रोश सभा किया था। सभा में तबरेज की हत्या के आरोपियों को फांसी देने की मांग की गई थी।

बीसीसीएल ने कोर्ट को बताया, प्रदूषण रोकने के लिए उठाये जा रहे हैं कदम

धनबाद में प्रदूषण को लेकर दायर पीआईएल पर हुई सुनवाई

रांची : धनबाद में प्रदूषण रोकने के लिए एकता मंच द्वारा दायर जनहित याचिका पर सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ में हुई सुनवाई के दौरान बीसीसीएल और झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से जानकारी दी गई कि अदालत के आदेश के आलोक में उनकी तरफ से शपथ पत्र दायर नहीं किया जा सका है। उनका शपथ पत्र तैयार हो गया है। लेकिन समय के अभाव के कारण उसे ससमय कोर्ट में दायर नहीं किया जा सका। जिस पर अदालत ने उन्हें जवाब दायर करने के लिए समय दिया। अब मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए 24 अप्रैल की तिथि निर्धारित की गयी है। बीसीसीएल की ओर से अपने जवाब में बताया गया है कि प्रदूषण को रोकने के लिए नियमित पानी का छिड़काव किया जा रहा है। साफ सफाई के लिए स्वीपिंग मशीन लगाई गई है। इसकी नियमित मॉनिटरिंग भी की जा रही है, जिससे प्रदूषण में कमी आ रही है।

दाहू यादव की अग्रिम जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की कोर्ट में सोमवार को आर्म्स एक्ट एवं हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी दाहू यादव उर्फ राजेश यादव की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से समय देने का आग्रह किया गया, जिस पर कोर्ट ने त्रुटियों को दूर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी।

दरअसल, वर्ष 2022 में दाहू यादव के खिलाफ आर्म्स मामले में एक एफआईआर मुफस्सिल थाना में दर्ज किया गया था। इस मामले में निचली अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। आरोप है कि दाहू यादव एक हजार करोड़ रुपये के अवैध खनन मामले में आरोपी पंकज यादव का सहयोगी है।

व्यवसायी राकेश सिंघानिया की अग्रिम जमानत पर फैसला सुरक्षित

रांची : मनी लॉन्ड्रिंग केस के आरोपी व्यवसायी राकेश सिंघानिया की अग्रिम जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने राकेश सिंघानिया की अग्रिम जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब अदालत उन्हें अग्रिम जमानत मिलती है या उनकी याचिका खारिज होती है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की अदालत में सिंघानिया की याचिका पर सुनवाई हुई। उनकी ओर से पूर्व महाधिवक्ता और हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता आरएस मजूमदार व रोहन मजूमदार ने बहस की।

राकेश सिंघानिया पर अवैध चालान के जरिये आयरन ओर की ट्रांस्पोर्टिंग कर करोड़ों रुपये की अवैध कमाई का आरोप है। ईडी स्पेशल कोर्ट में इस मामले में प्रॉसिक्यूशन कंपलेन यानी दाखिल कर कर चुकी है। ईडी ने जिन आरोपियों के खिलाफ पीसी दाखिल की है, उसमें महावीर प्रसाद रूंगटा, रामगढ़ स्पंज आयरन प्राइवेट लिमिटेड, राकेश सिंघानिया, एमएस तिरुपति बालाजी इंटरप्राइजेज, एमएस एपिकल एक्सिस प्राइवेट लिमिटेड और विधाता डिस्ट्रीब्यूटर्स के नाम शामिल हैं। सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में इस बात का जिक्र किया था कि फर्जी चालान का इस्तेमाल कर आरोपियों ने 4 133 करोड़ की अवैध कमाई की है। सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने सभी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। निचली अदालत राकेश सिंघानिया को अग्रिम बेल देने से इंकार कर चुकी है।

शहरी यातायात व्यवस्था को बेहतर करने को लेकर ट्रैफिक एसपी ने बनाई रणनीति

15 दिनों में चौक-चौराहों से हटेंगे अनुपयोगी सामान

वरीय संवाददाता, रांची।

बैठक करते ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमां • फोटोन न्यूज

डीसी राहुल कुमार सिन्हा के निर्देश पर सोमवार को शहर की यातायात व्यवस्था से संबंधित बैठक ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमां की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में सोमवार को आयोजित की गई। शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर एसपी ने संबंधित सभी अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए प्राप्त प्रस्तावों को क्रियान्वित कर जल्द से जल्द इसे सुनिश्चित कराएं।

एसपी की ओर से संबंधित पदाधिकारियों को प्रथम चरण में अभियान चलाकर विभिन्न चौक-चौराहों में यातायात व्यवस्था में बाधक बन रहे संरचनाओं विधुत-टेलीफोन के अनपयोगी पोल, ट्रैफिक सिंग्नल पोस्ट, होर्डिंग, ट्रैफिक बुथ, जर्जर यात्री शेड, सुधा डेयरी शेड, सूखे पेड़, साईकिल स्टैंड, टेंपो स्टैंड आदि को हटाने का निर्देश दिया। साथ ही सभी को 15 दिनों में व्यवस्थित कराने का निर्देश दिया।

एसपी ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त कराने के लिए बनाए सभी छह जोन पर दलों का गठन कर 15 दिनों में इसे सम्पन्न करने का निर्देश दिया। जल्द से जल्द दिए गए समय सीमा में पूरा हो जाये यह सुनिश्चित कराने को कहा।

उल्लेखनीय है कि डीसी ने पूर्व में बैठक कर रांची शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण बैठक की थी और कई दिशा-निर्देश दिये गये थे।

मनी लांड्रिंग मामले में निलंबित आईएएस पूजा सिंघल के खिलाफ ईडी कोर्ट में आरोप गठित

पूजा सिंघल की फाइल फोटो

विशेष संवाददाता, रांची।

मनी लांड्रिंग मामले में आरोपी निलंबित आईएएस पूजा सिंघल के खिलाफ ईडी कोर्ट में आरोप गठित किया है। आरोप गठन के दौरान पूजा सिंघल कोर्ट में सशरीर उपस्थित थी। ईडी के विशेष न्यायाधीश प्रभात कुमार शर्मा की अदालत ने पूजा सिंघल के खिलाफ लगे सभी आरोपों को पढ़कर सुनाया। पूजा ने अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों को गलत बताया। ईडी कोर्ट ने पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) की धारा तीन और चार के तहत पूजा सिंघल के खिलाफ आरोप गठित किया है। इससे पूर्व दोनों पक्षों की ओर से बहस होने के बाद कोर्ट ने आरोप गठन के लिए 10 अप्रैल की तिथि निर्धारित की थी। तीन अप्रैल को ईडी के विशेष न्यायाधीश की कोर्ट ने पूजा सिंघल के डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज कर दिया था। इसके बाद सोमवार को आरोप गठन की प्रक्रिया पूरी हुई है। उल्लेखनीय है कि पूजा सिंघल, सीए सुमन कुमार एवं खूंटी के तत्कालीन सहायक अभियंता शशि प्रकाश के खिलाफ पूर्व में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। फिलहाल पूजा सिंघल सुप्रीम कोर्ट से दो माह की अंतरिम जमानत पर है।

सीए सुमन कुमार और इंजीनियर शशि प्रकाश के खिलाफ भी आरोप गठित

रांची : मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी चार्टर्ड अकाउंटेंट सुमन कुमार और डिस्ट्रिक्ट इंजीनियर शशि प्रकाश के खिलाफ आरोप गठित कर दिया गया है। ईडी के विशेष न्यायाधीश प्रभात कुमार शर्मा की अदालत में दोनों आरोपियों के खिलाफ पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की धारा तीन और चार के तहत आरोप गठित की है। दोनों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सोमवार को कोर्ट के समक्ष पेश किया गया। अब कोर्ट में दोनों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के केस में ट्रायल चलेगा। सुमन कुमार निलंबित आईएएस पूजा सिंघल के सीए हैं और शशि प्रकाश इंजिनियर हैं। दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। शशि प्रकाश ने खुद कोर्ट के समक्ष सरेंडर किया था। वहीं सुमन कुमार को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की और शशि प्रकाश और सुमन कुमार को मनी लाउंड्रिंग का आरोपी बनाया।

अंतिम रूप देने के लिए हितधारकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

झारखंड में लाखों घरों का निर्माण अवैध तरीके से, जनहित में तैयार हो रहा नियमितीकरण का प्रारूप : विनय चौबे

वरीय संवाददाता, रांची।

बैठक करते नगर विकास व आवास विभाग के सचिव विनय कुमार चौबे • फोटोन न्यूज

रांची स्मार्ट सिटी सभागार में नगर विकास एवं आवास विभाग के तत्वाधान में राज्य के नगर निकायों में अनाधिकृत निर्माण को नियमितिकरण करने के लिए योजना 2022-2023 के प्रारूप के अंतिमीकरण हेतु हितधारकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजना किया गया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सचिव द्वारा बताया गया कि राज्य के नगर निकायों में अभी भी लाखों घर अनाधिकृत निर्माण की श्रेणी में है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर राज्य सरकार वैसे परिवारों के हित में अनाधिकृत निर्माण को नियमितिकरण करने के लिए योजना 2022 (2023) का प्रारूप तैयार किया गया है, जिसे आम जनता के साथ ही अन्य हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किया गया है।

प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रारूप पर मांगे गए सुझाव

कार्यशाला में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट, झारखण्ड चाप्टर के चेयरमैन संदीप झा के द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत रूप से योजना के प्रारूप के विभिन्न बिन्दुओं पर अपना सुझाव दिया गया यथा योजना में लाभुक को स्व घोषणा के माध्यम से घर के क्षेत्रफल को मान्यता दिया जाना, शहरी क्षेत्र के साथ ही आर आर डी ए, माडा, एवं ग्रामीण क्षेत्र के अनाधिकृत निर्माण के नियमितिकरण हेतु विचार किया जाये , सड़क की चौड़ाई के मापदंड को कम किया जाये। कार्यशाला में विभिन्न हितधारकों के सुझावों पर निदेशक , नगरीय प्रशासन निदेशालय श्री आदित्य कुमार आनंद एवं नगर विकास एवं आवास विभाग के मुख्य नगर निवेशक श्री गजानंद राम द्वारा मार्गदर्शन दिया गया एवं उनके शंकाओं का समाधान किया गया।

रांची के नगड़ी में मिला जंगली हाथी का शव

ग्रामीण जता रहे हैं करंट से मौत की आशंका

संवाददाता, रांची।

रांची के नगड़ी में मकई के खेत में एक जंगली हाथी का शव मिला है। घटना थाना क्षेत्र के हरही-पुरियो इलाके की है। हालांकि हाथी की मौत कैसे हुई इसकी कोई जानकारी अभी तक सामने नहीं आयी है। ग्रामीणों की मानें तो कल शाम इस हाथी को झुंड में देखा गया था। जिसके बाद ये अपने ग्रुप से भटक गया। देर रात इस हाथी की मौत हो गयी। सुबह में ग्रामीणों ने इस हाथी को एक मकई के खेत में मृत देखा। जिसके बाद लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। हाथी की मौत अब भी रहस्यमय है। वन विभाग से आयी टीम ने पोस्टमार्टम के लिए हाथी के शव भेज दिया है। उनका कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस संबंध में कहा जा सकता है। इधर, गांव के कुछ लोगों ने आशंका जतायी है कि हाथी की मौत करंट लगने से हुई है। तो वहीं कुछ लोगों का तो ये भी कहना था कि मृत हाथी कुछ दिनों से बीमार चल रहा था, इस वजह से भी उनकी मौत हुई है। कई लोग बताते हैं कि मृत हाथी काफी गुस्सैल स्वाभाव का था और हाथियों के झुंड में सबसे पीछे पीछे चलता था। कई बार तो वो गांव के कई मकान को धवस्त भी कर चुका है।

ब्रीफ न्यूज

केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया

रांची : केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान में सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम व सभी के लिए स्वास्थ्य पर सीआईपी के कर्मचारियों के लिए आरबी.डेविस ऑडिटोरियम में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मनोचिकित्सा के निदेशक और प्रोफेसर (डॉ.) बासुदेब दास ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के महत्व और वर्तमान दुनिया में जीवन शैली के बारे में बताया। मनोचिकित्सा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार सूर्यवंशी ने जीवन शैली के मुद्दों और स्वास्थ्य पर प्रभाव पर अपनी बात रखी। उन्होंने उन मुद्दों को हल करने और गैर-संचारी रोगों पर काबू पाने के बारे में सरल कदमों का उल्लेख किया। मनोवैज्ञानिक आशुतोष उपाध्याय ने स्वास्थ्य और कल्याण पर एक सत्र लिया। उन्होंने स्वास्थ्य के आध्यात्मिक पहलुओं के आधार पर बात की। स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं के बारे में एक प्रश्न और उत्तर सत्र था, स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए क्या करें और क्या न करें पर चर्चा की गई। मनोवैज्ञानिक सामाजिक कार्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. के. प्रसाद ने धन्यवाद दी।

सेल में 12-13 अप्रैल को डिजिटल एचआर पर अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव

रांची : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में 12 और 13 अप्रैल को प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (सेल) रांची में धातु और खनन उद्योग में क्षमता निर्माण के लिए डिजिटल एचआर पर अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव होगा। सोमवार को सेल में प्रेसवार्ता कर यह जानकारी दी गयी। मौके पर सेल के हयूमन रिसोर्स डेवलपमेंट के निदेशक संजीव कुमार, सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, उज्जवल भास्कर महाप्रबंधक और संचार प्रमुख उपस्थित थे। इसमें सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल-सीआईएल), मैंगनीज और इंडिया लिमिटेड (एमओआईएल), जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) और नेशनल एचआरडी नेटवर्क का भी सहयोग रहेगा। संजीव कुमार ने बताया कि कॉन्क्लेव का उद्देश्य धातु और खनन उद्योग में मानव संसाधन प्रबंधन की चुनौतियों की पहचान करना और उन्हें सही उपकरण, प्रणालियों एवं मंचों के मिश्रण वाले डिजिटल एचआर समाधानों में प्रतिचित्रण करना है।

15 -16 अप्रैल को धुर्वा में रांची जिला ओपन खो-खो प्रतियोगिता

रांची : रांची जिला खो-खो एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय रांची जिला ओपन पुरुष झ महिला खो-खो प्रतियोगिता 15 एवं 16 अप्रैल को धुर्वा स्थित लीची बागान प्रांगण में होगी। रांची जिला खो-खो एसोसिएशन के महासचिव अजय झा ने बताया कि इस प्रतियोगिता के आधार पर रांची जिला सब जूनियर, जूनियर व सीनियर टीम का चयन किया जाएगा, जो आगामी माह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रांची जिला का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस प्रतियोगिता में रांची जिला के सभी श्रेणी के मध्य/उच्च विद्यालय /महाविद्यालय /क्लब एवं ग्रामीण क्षेत्र के टीम भाग ले सकते है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 13 अप्रैल की शाम तक रांची जिला खो-खो प्रशिक्षक विवेक कुमार (9708640565), संजय कुमार (8210862416) से संपर्क किया जा सकता है।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24, Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

देश में कोरोना को लेकर उपायुक्त ने ट्रामा सेंटर का किया निरीक्षण

उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की टीम को स्टैंडबाई मोड पर रहने का दिया निर्देश

- कोरोना मरीज सामने आने पर इलाज हेतु निर्धारित प्रक्रिया हेतु किए जा रहे हैं मॉक ड्रिल का लिया जायजा
- ट्रामा सेंटर सहित जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी किया गया मॉक ड्रिल
- चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को कोरोना मरीजों के उपचार हेतु निर्धारित प्रक्रिया के संबंध में दे पूरी जानकारी, सभी तरह की दुविधाओं को करें दूर।

ट्रामा सेंटर का निरीक्षण करती उपायंक्त माधवी मिश्रा व अन्य। ● द फोटोन न्यूज

संवाददाता, रामगढ़।

हाल ही में देश में कोरोना के नए मामले सामने आने के मद्देनजर सोमवार को उपायुक्त रामगढ़ माधवी मिश्रा ने पटेल चौक, रामगढ़ स्थित ट्रामा सेंटर रामगढ़ का निरीक्षण कर जिले में किसी भी कोरोना मरीज की पहचान होने के उपरांत इलाज हेतु अपनाई जाने वाली प्रक्रिया एवं उनके उपचार हेतु व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान उपायुक्त ने पटेल चौक स्थित ट्रामा सेंटर में मॉक ड्रिल का जायजा लेते हुए सिविल सर्जन रामगढ़ डॉ प्रभात कुमार को कोरोना मरीजों के उपचार से संबंधित सभी चिकित्सकों एवं कर्मियों को निर्धारित प्रक्रिया की पूरी जानकारी देने एवं उनकी किसी भी प्रकार की दुविधा को दूर करने का निर्देश दिया वहीं उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की टीम को स्टैंडबाई मोड पर रहने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सिविल सर्जन से रामगढ़ जिले में कोरोना मरीजों के उपचार हेतु उपलब्ध स्वास्थ्य उपकरणों सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी लेने के क्रम में आवश्यक दिशा निर्देश दिए वहीं उन्होंने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में लगाए गए पीएसए प्लांट का निरीक्षण कर उनका कार्य करना सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपाधीक्षक सदर अस्पताल, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी रामगढ़, सहायक जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट, डीपीएम एनएचएम, अस्पताल प्रबंधक सदर अस्पताल रामगढ, चिकित्सकों/कर्मियों सहित अन्य उपस्थित थे।

डीसी ने सुनी जनता की समस्याएं, जल्द निष्पादन हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

जनता की समस्या सुनती उपायुक्त माधवी मिश्रा। ● द फोटोन न्यूज

रामगढ़ : सोमवार को उपायुक्त रामगढ़ सुश्री माधवी मिश्रा ने अपने कार्यालय कक्ष में जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से अपनी समस्याओं को लेकर उनसे मिलने आए लोगों से मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने भूमि विवाद, पेंशन, रोजगार, विभिन्न योजनाओं के लाभ सहित अपनी विभिन्न समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया जिसके उपरांत उपायुक्त ने मामलों के निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

पैक्स अध्यक्ष ने किसानों की समस्याओं से विधायक को अवगत कराया, विधायक ने कहा

हर हाल में किसानों की समस्याओं का होगा समाधान

संवाददाता, भुरकुंडा (रामगढ़)।

अंबा प्रसाद को समस्याओं से अवगत कराते शैलेश कुशवाहा। ● द फोटोन न्यूज

बिरसा चौक भुरकुंडा निवासी चिकोर पैक्स अध्यक्ष शैलेश कुशवाहा ने बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद से मुलाकात कर पतरातू प्रखंड के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही किसानों की समस्याओं के निराकरण की मांग रखी।

ज्ञात हो कि पतरातू प्रखंड अंतर्गत लगभग 6 हजार किसानों ने मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना के तहत ऑलाइन आवेदन जमा किया था, लेकिन चार माह बीत जाने के बाद भी अधिकांश किसानों के खाते में सुखाड़ राहत योजना की राशि 3 हजार 500 रूपया नहीं पहुंचा। जिससे कारण किसानों को भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया कि पतरातू प्रखंड के किसानो ने प्रखंड के अंतर्गत 4 अधिप्राप्ति केंद्र में अपना धान बेचा था। अधिकांष किसानों का पहली किस्त की राशि तो मिल गया है, लेकिन कुछ किसानों को चार माह बाद भी पहली किस्त की राशि नहीं मिली है। वहीं पतरातू प्रखंड के सैंकड़ों किसानों चार माह बीत जाने के भी दूसरी किस्त की राशि तथा बोनस की राशि अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। श्री कुशवाहा ने बताया कि किसान अपनी गाढ़ी कमाई पैक्स को बेचकर पैसे के लिए आस लगाए बैठे हैं। दूसरी किस्त की राशि नहीं मिलने से किसानों के समक्ष भारी विपदा आ गई है। चिकोर पैक्स अध्यक्ष शैलेश कुशवाहा ने विधायक अम्बा प्रसाद के द्वारा चिकोर पंचायत में गोदाम सह कार्यालय निर्माण हेते अंचलाधिकारी पतरातू को अनुशंसा पत्र प्रेषित किया गया था जो आज भी लंबित है। इस ओर भी पैक्स अध्यक्ष ने विधायक का ध्यान आकृष्ट कराया। समस्या सुनने के बाद विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि हर हाल में किसानों की समस्याओं का समाधान होगा। उन्होंने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपकी समस्याओं का जल्द निष्पादन होगा।

कैथा उदासीन मंडा पूजा 16 अप्रैल को

संवाददाता, रामगढ़।

गिरिडीह सांसद आदरणीय श्री चंद्र प्रकाश चौधरी व रामगढ़ विधानसभा के विधायक आदरणीय श्रीमती सुनीता चौधरी जी के कर कमलों से जीर्णोद्धार कार्यक्रम तथा मंडा पूजा का शुभारंभ

रामगढ़ नगर परिषद अंतर्गत वार्ड नं 26 कैथा में मंडा पूजा 16 अप्रैल को सादगी के साथ मनाया जाएगा।मंडा पूजा को लेकर कैथा महादेव मंडा मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वार्ड पार्षद देवधारी महतो व संचालन राजेश कुमार महतो ने किया। बैठक में मंडा पूजा का आयोजन को लेकर सर्वसम्मति से पिछले वर्ष की आयोजन समिति को ही चलायमान रखा गया है। एवं इस वर्ष भी अध्यक्ष राजेश कुमार महतो, सचिव राजकुमार महतो, कोषाध्यक्ष देवधारी महतो को ही बनाया गया। वहीं संरक्षक समिति में गणेश राम महतो, संजय करमाली, चुन्नीलाल महतो, रामप्रकाश महतो, कोलेश्वर महतो, सुकर महतो अमरलाल करमाली, सोमनाथ महतो, रतन लाल महतो, पंचम महतो, डिया महतो, घूरन महतो, बालदेव महतो, सुरेश दास, माधव करमाली विजय रविदास,लोकनाथ महतो को बनाया गया। तथा बैठक को संबोधित करते हुए कमेटी अध्यक्ष राजेश कुमार महतो ने कहा कि इस वर्ष महादेव मंडा मंदिर सुंदरीकरण किया जाएगा जिसके कारण मंडा पूजा सादगी के साथ और उदासीन मंडा पूजा मनाया जाएगा। मंडा पूजा में माँ पार्वती का पट इस वर्ष घर तक नहीं घुमाया जाएगा। वहीं वार्ड पार्षद सह कोषाध्यक्ष देवधारी महतो ने कहा कि आयोजन बगैर मेले और छऊ नृत्य के संपन्न होगा। मंडा पूजा में जरूरी सभी विधान विधि पूर्वक किए जाएंगे। तथा मंडा पूजा के तुरंत बाद मंदिर सुंदरीकरण का भी काम शुरू किया जाएगा।

स्कूल ड्रेस व पुस्तक के मामले में भ्रष्टाचार को ले शिक्षा बचाओ संघर्ष समिति की हुई बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)।

स्कूली ड्रेस व पुस्तक के मामले में भ्रष्टाचार को ले सोमवार को भुरकुंडा पंचायत भवन में शिक्षा बचाओ संघर्ष समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता समिति के संस्थापक विश्वरंजन सिन्हा एवं संचालन संस्थापक राजेश सोनी ने किया।

बैठक में अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि योगेश दांगी, समिति के संस्थापक शैलेश कुशवाहा, मुखिया अजय पासवान, पूर्व मुखिया प्रमिला दुबे, मुकेश राउत, राकेश सिन्हा, मंसूर खान, भुनेश्वर मेहता, रेणुका देवी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान निजी विद्यालयों की मनमानी के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंकने का निर्णय हुआ। साथ ही विभिन्न मुद्दों के खिलाफ आंदोलन की घोषणा की गई। जिसमें मुख्यतः निजी विद्यालयों में एनसीईआरटीई की पुस्तकें न चला कर अन्य प्रकाशन की पुस्तकें चलाने, भुरकुंडा क्षेत्र के निजी विद्यालयों द्वारा भुरकुंडा मेन रोड के एक विशेष दुकान से लिखित रूप में विद्यालयों द्वारा स्कूली ड्रेस लेने को बाध्य किए जाने के खिलाफ सीबीआई सहित अन्य जांच एजेंसियों से शिकायत करने का निर्णय हुआ। कहा गया कि विद्यालयों अपने कैम्पस में दुकान खोलकर अपनी इच्छा के प्रकाशन की पुस्तक स्वयं बेच रहा है। शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत गरीबी रेखा से नीचे के विद्यार्थियों का नामांकन नहीं हो रहा। प्यूपिल फंड सहित अन्य फंड के नाम पर विद्यार्थियों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। निजी विद्यालयों द्वारा हर वर्ष सिलेबस चेंज किया जा रहा है जिसके खिलाफ आंदोलन तेज होगा। वक्ताओं ने कहा कि निजी विद्यालय शिक्षा को सुदृढ़ करने को छोड़कर पाठ्य सामग्री का व्यापार करने में व्यस्त हैं। निजी विद्यालय में कार्यरत शिक्षक एवं अन्य कर्मियों को उचित मानदेय नहीं मिल रहा और जो भी मिल रहा वो भी समय पर नहीं मिल रहा है।

रसदा शिव मंदिर प्रांगण में कम्युनिटी हॉल का विधायक ने किया शिलान्यास, कहा

क्षेत्र का चहुंमुखी विकास ही हमारा लक्ष्य

भुरकुंडा रामगढ़।

कम्युनिटी हॉल का शिलान्यास करती विधायक अंबा प्रसाद। ● द फोटोन न्यूज

बासल थाना क्षेत्र के रसदा शिव शक्ति मंदिर प्रांगण में सोमवार को कम्युनिटी हॉल का शिलान्यास किया गया। इसका शिलान्यास बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद ने विधिवत पूजा अर्चना और सिलापट अनावरण कर एवं नारियल फोड़कर शिलान्यास की। मौके पर विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास ही मेरी पहली प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया की यहां के ग्रामीणों की बहुत दिनों से मांग थी जिसे पूरा करते हुए पीभीयूएन को अनुशंसा की थी। इसके बाद इस पर लगातार जल्द से जल्द काम हो उसके के लिए हमेशा प्रखंड से लेकर जिला तक एनओसी करवाया, जिसका नतीजा है कि आज पीभीयूएन के सीएसआर मद के तहत इस कार्य का क्रियान्वयन 60 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा।

मौके पर मुख्य रूप से पीभीयूएन के महाप्रबंधक निरज राय, सीएसआर हेड राजेश डुंगडुंग, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुजीत पटेल, विधायक प्रतिनिधि कृष्णा सिंह, संवेदक अरूण साव, योगेंद्र सिंह खरवार, बसंत साव, रोहित साव, संजय सिंह सहित दर्जनों महिला-पुरुष उपस्थित थे।

चितरपुर के पसरा टोला लारी कलां में धूमधाम से मनाया गया प्रकृति का पर्व सरहुल

सरहुल प्रकृति उपासना का पर्व : छोटेलाल करमाली

संवाददाता, रजरप्पा

कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● द फोटोन न्यूज

चितरपुर के पसरा टोला लारी कलां में प्रकृति का पर्व सरहुल धूमधाम से मनाया गया। मिलन समारोह में बतौर मुख्य अथिति छोटेलाल करमाली आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय उपाध्यक्ष, विशिष्ट अथिति केंद्रीय प्रवक्ता प्रकाश करमाली, अधिवक्ता शिव करमाली, सुनील करमाली बीस सूत्री अध्यक्ष रामगढ़, शंकर करमाली विधायक प्रतिनिधि मांडू, किसान नेता पंकज महतो, महेश करमाली आजसू महासभा जिलाध्यक्ष, सुहो देवी उपमुखिया लारीकलां, श्रवण करमाली जिला अध्यक्ष करमाली लोहरा समाज समिति, जलेश्वर करमाली, रोजे करमाली, निर्मल करमाली, बबलू करमाली आदि मौजूद रहे. कार्यक्रम में सबसे पहले गाजे बाजे के साथ जुलूस निकाल कर सरना स्थल पहुँचे. पहान द्वारा सरना स्थल पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। साथ ही मुर्गे की बलि दी।

इसके बाद सैरैय फूल चढ़ाया। साथ ही श्रद्धालुओं के बीच फूल खोसी भी की गई। पूजा के बाद प्रसाद का भी वितरण हुआ। इस दौरान अतिथियों सहित सभी उपस्थित महिला पुरुषों ने नागपुरी गीत के साथ मांदर की थाप पर खूब थिरके। सभी ने एक दूसरे को सरहुल की बधाइयां दी। साथ ही प्रकृति की रक्षा का संकल्प लिया। मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि सरहुल प्रकृति उपासना का पर्व है। यह पर्व जल, जंगल एवं जमीन से जुड़ी हैं। क्योंकि हमलोग पेड़ पौधा की पूजा करते है। जिससे उनसे हमें जीवन की प्राप्ति होती है।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत सरना समिति के द्वारा पगड़ी पहनाकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन सोनू करमाली ने किया. मौके पर सरना समिति के संरक्षक विष्णु करमाली, झुबर करमाली, राजेन्द्र करमाली, बाबुलाल करमाली, राजेश मुण्डा पहान, संदीप करमाली, गौतम करमाली अध्यक्ष, देवचरण करमाली उपाध्यक्ष, गुरूदयाल करमाली उपाध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष सुरज करमाली, सचिव कुणाल मुण्डा, कोषाध्यक्ष मुकेश करमाली, पंकज करमाली सहित कई लोग मौजूद थे।

सरहुल पर्व हमें प्रकृति व संस्कृति से जोड़े रखती है: बिनोद किस्कु

रजरप्पा : बारलोंग में हर्षोल्लास के साथ प्रकृति पर्व सरहुल मनाया गया। पाहन होनी ने सरना स्थल पर ईष्ट देवता की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख, शांति, समृद्धि, हरियाली, अच्छी फसल के लिए मंगलकामना की।

इसके बाद समाज की पुरुष-महिलाएं व युवतियां परंपरागत वेशभूषा में सरहुल महोत्सव में शामिल हुए। कार्यक्रम के बतौर मुख्य अथिति विनोद किस्कु झामुमो जिलाध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि महेन्द्र मुण्डा भारत मुण्डा समाज केन्द्रीय सदस्य, दिनेश मुण्डा जिला उपाध्यक्ष बीस सुत्री कार्यक्रम रामगढ़, प्रकाश करमाली, पंकज महतो, राजेश मुंडा पहान, पंसस निशा देवी, शम्भु बेदिया, बबलू यादव मौजूद रहे.

सरहुल मिलन समारोह में बोलते बिनोद किस्कु व उपस्थित लोग। ● द फोटोन न्यूज

मौके पर मुख्य अथिति ने बताया कि यह परंपरा पूर्वजों के जमाने से चली आ रही है। इस परंपरा को उत्सव रूप में मनाकर नई पीढी के लोगों को सरहुल व पर्यावरण का महत्व बताना है।

समुदाय के लोगों का प्रकृति से प्रेम व अटूट रिश्ता होने के कारण ही पर्यावरण व संस्कृति को अब तक सहेज कर रखा गया है। हम सभी को वातावरण की शुद्धता के लिए पेड़-पौधे लगाना होगा। हमारा जीवन प्रकृति से जुड़ा हुआ है। यह पर्व हमें प्रकृति व संस्कृति से जोड़े रखती है. मौके पर संरक्षक इंद्रजीत मुंडा, बनवारी मुंडा, मुन्ना मुंडा, रवि मुण्डा, कैलाश मुण्डा, घरमु बेदिया, गणेश रवि, फुलमन मुंडा, पवन मुण्डा, प्रताप मुण्डा, विजय मुण्डा, अजय मुण्डा, कुणाल मुण्डा, दुवराज मुण्डा, आशिष मुण्डा, शंकर मुंडा, प्रकाश बेदिया, दिवाकर, कुंदन, संदीप, प्रदीप, छोटेलाल मुंडा आदि मौजूद थे।

ब्रीफ न्यूज

सब-इंस्पेक्टर राजदीप कुमार भदानीनगर ओपी के नये प्रभारी बने

भुरकुंडा (रामगढ़) : 2018 बैच के सब-इंस्पेक्टर राजदीप कुमार भदानीनगर ओपी के नये ओपी प्रभारी बने हैं। उन्होंने रविवार की शाम ओपी प्रभारी के रूप में भदानीनगर ओपी का पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के दौरान राजदीप कुमार ने कहा कि क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस-पब्लिक के रिश्ते को मजबुत कर क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल कायम किया जायेगा। साथ ही कानून व्यवस्था दुरूस्त रखा जायेगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से विधि-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को सहयोग करने की अपील की। मालूम हो कि राजदीप कुमार ने बासल थाना में थाना प्रभारी के तौर पर 2020 में योगदान दिया था। इसके बाद भुरकुंडा ओपी में बतौर एसआई तैनात रहे। इधर भाजपा भदानीनगर मंडल प्रतिनिधियों ने सोमवार को ओपी प्रभारी से मुलाकात कर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान भाजपाईयों ने ओपी प्रभारी श्री कुमार को पदभार ग्रहण करने पर शुभकामनाएं देते हुए अंग वस्त्र देकर सम्मानित भी किया। ओपी प्रभारी का स्वागत करने वालो में भाजपा भदानीनगर मंडल उपाध्यक्ष अनूप ठाकुर, महामंत्री सागर कुमार दांगी, कोषाध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह, युवा मोर्चा के अध्यक्ष आशीष कुमार शर्मा आदि शामिल थे।

रजरप्पा धर्मशाला के समीप सरना स्थल में सरहुल महोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रजरप्पा : सरना पूजा समिति वाशरी मोड़ भुचुगंडीह की ओर से रजरप्पा धर्मशाला के समीप स्थित सरना स्थल में सरहुल महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मांझी हड़ाम मगन मरांडी व विशिष्ट अतिथि परणिक हड़ाम किशुन मुर्मू, प्रयाग मांझी, विपत, सोधन, धनेश्वर, घघरी मांझी, कमल सोरेन मौजूद थे। मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा की प्रकृति की उपासना का पर्व सरहुल है। सरहुल हमें पेड़ पौधों की पूजा करने की सीख देता है। क्योंकि पेड़ पौधे हमें जीवन देने का काम करती है। इससे दौरान अतिथियों का स्वागत सरना समिति के सदस्यों ने पगड़ी पहनाकर किया। इसके बाद मांदर की थाप सभी लोग देर शाम तक झूमते रहे। इससे पूर्व पहान श्याम सुंदर मरांडी द्वारा आदिवासी रीति रिवाज के साथ सरना स्थल में पूजा अर्चना किया गया। तत्पश्चात लोगों के बीच प्रसाद का भी वितरण किया गया। मौके पर सरना समिति के अध्यक्ष सरकार हांसदा, उपाध्यक्ष किशोर मरांडी, समल मरांडी, जीतराम मरांडी, बिकल मरांडी, प्रभु मरांडी, जगत राम मुर्मू, सुखदेव टुडू, दुर्गाचरण टुडू, शंकर मुर्मू, रामप्रसाद मुर्मू, वृजलाल मुर्मू, बुधन मरांडी, महेश किस्कू, रमेश मरांडी, राजेंद्र मरांडी, सुरेश हांसदा, शनिचर हांसदा सहित कई लोग मौजूद थे.

महात्मा आनंद स्वामी मेगा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स का उद्घाटन

रांची/कांके : कांके स्थित नीरजा सहाय डी ए वी में डीएवी ढर (1) के निदेशक जे पी शूर विद्यालय के 20वें स्थापना दिवस पर पहुंचे तथा विद्यालय की प्रगति की समीक्षा की। महात्मा आनंद स्वामी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स का उद्घाटन करते हुए अपने विद्यालय के साथ का अनुभव साझा किए तथा अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जब -जब विद्यालय का भ्रमण किया है तो इसे उतरोत्तर वृद्धि ही करते पाया है। राँची प्रक्षेत्र के विभिन्न डी ए वी के प्राचार्यों समेत एआरओ कुमार ने भी विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उसके चहुंमुखी विकास में पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया। प्राचार्य किरण यादव की कर्मठता की तारीफ करते हुए श्री शूर ने संतोष व्यक्त किया कि नीरजा सहाय की बागडोर बिलकुल दक्ष हाथों में है। विद्यालय अपने स्वर्ण युग की ओर अग्रसर हो रहा है तथा डी ए वी का डंका अब चरो ओर बजेगा तथा डी ए वी सीएमसी सदैव विद्यालय के साथ कदम से कदम मिला कर चलेगा।

डीएवी रजरप्पा में प्राचार्य ने जूनियर विंग मे नये सत्र का किया शुभारंभ

रजरप्पा : डीएवी पब्लिक स्कूल रजरप्पा के नए प्राचार्य बीपी रॉय ने जूनियर विंग की कक्षा यूकेजी से द्वितीय तक (सत्र 2023-24) का शुभारंभ किया। सर्वप्रथम छात्रझछात्राओं का स्वागत तिलकोत्सव और आशीर्वचन के साथ हुआ। तत्पश्चात प्राचार्य ने शिक्षिकाओं एवं बच्चों के साथ हवन कार्य संपन्न किया। ज्ञात हो कि डीएवी रजरप्पा के सीनियर विंग की कक्षा का आरंभ 5 अप्रैल 2023 से हो चुका है. विद्यालय प्राचार्य श्री रॉय ने हवन कार्य के पश्चात उपस्थित शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए तनझमन से लग जाएं. उन्होंने सभी अभिभावकों को यह आश्वासन दिया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में सीबीएसई के नियमानुसार विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिकाएँ अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे. उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को पौष्टिक आहार के साथ- साथ हरी सब्जियां जरूर उनके भोजन में शामिल कीजिए। अनुशासन के प्रति सजग रहने की भी अपील की। अंत में उन्होंने नए सत्र में एलकेजी की कक्षा 13 अप्रैल 2023 से शुरू होने की बात कही। हवन कार्यक्रम के समय धर्म शिक्षक सत्यकाम आर्य के अतिरिक्त डीएवी जूनियर विंग की सभी शिक्षिकाएँ उपस्थित थीं।

बिरहोर टोला में स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

रामगढ़ : सोमवार को दुरुकसमार बिरहोर टोला में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं टीएसआरडीएस घाटों के द्वारा संयुक्त रूप से बिरहोर समुदाय के परिवारों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य जांच कैंप शिविर का सिविल सर्जन रामगढ़ के द्वारा शुभारंभ किया गया। इस दौरान उन्होंने कैंप में आए कई मरीजों का स्वास्थ्य जांच भी किया वहीं जांच शिविर में आए लोगों को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी मांडू डॉक्टर नितेश कुमार के द्वारा स्वास्थ्य संबंधित इलाज हेतु सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया, शिविर में आए बिरहोर परिवार के लोगों का संपूर्ण स्वास्थ्य जांच कर दवा का वितरण निशुल्क किया गया, कैंप में डॉक्टर मधुरिमा, डॉक्टर रिंपी व डॉक्टर ममता के द्वारा कुल 54 बिरहोर परिवार के लोगों का इलाज किया गया वही कैंप में स्वास्थ्य जांच के लिए आए 13 बिरहोर परिवार के लोगों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के लिए चिन्हित किया गया। कैंप में मुख्य रूप से सीएचओ प्रीति कुमारी, नेत्र सहायक अजय कुमार टोप्पो, एएनएम दसवीं देवी सहित एसआरडीएस घाटो टीम के सदस्य उपस्थित थे।

कोरोना के खतरे को देखते हुए किया गया मॉक ड्रिल

लोहरदगा : कोविड-19 से निबटने के लिए सदर अस्पताल में आवश्यक तैयारियों का जायजा लेने के लिए सोमवार को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में उपायुक्त डा.बाघमारे प्रसाद कृष्ण ने सदर अस्पताल में अधिष्ठापित पीएसए प्लांट के संचालन की स्थिति, ऑक्सीजन सिलिंडर की उपलब्धता, वेंटिलेटर, नवजात बच्चों के लिए निर्मित एसएनसीयू वार्ड, कोविड वार्ड, जेनरल वार्ड आदि का निरीक्षण किया और तैयारियों के लिए आवश्यक निदेश सिविल सर्जन को दिया। मौके पर पर उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोत्तरी देखी गई है। इसके लिए जिला प्रशासन लोहरदगा जिला में तैयारियों को लेकर सतर्क है। जांच के उपकरण उपलब्ध हैं। मौके पर सिविल सर्जन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पुलिस ने चार पहिया वाहनों की सघन जांच शुरू की

मेदिनीनगर : जिले में सोमवार से 16 तक पलामू जिला पुलिस ने चार पहिया वाहनों की संघन जांच की। इसमें चालक द्वारा वाहन चालन के नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। एसपी के अनुसार सभी वाहन चालक अपने वाहन का कागजात लेकर और सीट बेल्ट लगाकर ही अपना वाहन चलाये । इस कड़ी में सोमवार को शहर के शदीक चौक, 2 नम्बर टाउन थाना, रेड़मा चौक पर अभियान चलाया गया, जिसमें चार पहिया वाहन को पकड़ा गया है।

बोकारो में सड़क दुर्घटना में दो की मौत

बोकारो : पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत फोरलेन में बाइक सवार दो लोगों की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। बाइक सवार दोनों रिश्ते में जीजा साले थे। रविवार देर रात वे लोग मोटरसाइकिल से अपने घर आदर्श कॉलोनी से आईटीआई मोड़ गए थे ,जिसके बाद वहां से लौटने के क्रम में तेलीडीह गंगाधर मोड़ के नजदीक ट्रक की चपेट में आने से निरंजन कुमार कि घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घायल साले कमलेश साव की बोकारो जनरल अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस की पेट्रोलिंग टीम के ऊपर आरोप लगाया कि दुर्घटना के बाद घायल कमलेश साव को अस्पताल ले जाने की विनती की गई मगर पुलिस वालों ने कोई मदद नहीं की। इस कारण घायल को अस्पताल ले जाने में काफी देरी हो गई। पुलिस सोमवार की सुबह घटनास्थल पहुंचकर दुर्घटना का जायजा लेते हुए दोनों वाहनों को जब्त कर थाने ले आई। परिजनों को पुलिस ने समझा-बुझाकर दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हाथियों ने चनारो पंचायत के चीचि खुर्द में तीसरी बार किया हमला

रामगढ़ : चुरचू प्रखंड अंतर्गत चनारो पंचायत के चीची खुर्द काना बांध में हाथियों के द्वारा छती ग्रस्त कर दिए जाने के बावजूद भी ना प्रखंड के कोई अधिकारी और ना ही वन विभाग के कोई अधिकारी और ना ही कोई जिला के अधिकारी इस पीड़ित गरीब परिवार को देखने पहुंचा। लगातार तीन साल के अंदर यह तीसरा बार हाथियों ने क्षतिग्रस्त क्या है। जबकि सरकार के द्वारा तुरंत इस परिवार को सहायता मिलना चाहिए।। यह छतिग्रस्त को देखते हुए मुखिया संघ के अध्यक्ष सह बहेरा पंचायत के लोकप्रिय मुखिया श्री देवकी महतो ने कहा कि मैं इस घटना को देखते हुए वन विभाग के रेंजर साहब से बात किए और कहा की इस पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाएगा और साथ ही एक प्रधान मंत्री आवास योजना भी दिया जाएगा। साथ ही विधायक प्रतिनिधि आरिफ अंसारी ने कहा की तीसरी बार हाथियों का जो क्षतिग्रस्त है प्रखंड के लिए बहुत दुख की बात है मैं हजारीबाग उपायुक्त महोदया से मिलकर क्षतिग्रस्त का अवगत कराएंगे और उस पीड़ित गरीब परिवार को मुआवजा भी दिलाने का काम करेंगे।। इसी तरह पिछले वर्ष भी बहेरा पंचायत के कजरी गांव के भुरकुंडा टोला में कई घरों एवं आदमी के छती ग्रस्त हुवा है जिसका भुक्तान अभी तक नहीं मिला और न हीं उस पीड़ित गरीब परिवार को किसी तरह का भी कोई लाभ दिया गया। इस घटना को लेकर विधायक प्रतिनिधि आरीफ अंसारी ने कहा की मैं डीसी महोदया से मिलकर इस घटना को अवगत कराएंगे।

भोजपुर में युवक ने ममेरे भाई को मारी गोली

भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के चांदी गांव स्थित हनुमान मंदिर के समीप सोमवार की सुबह नशे के दौरान उपजे विवाद को लेकर भाई ने मेरे भाई को गोली मार दी। जख्मी युवक को गोली दाहिने पैर में घुटने के लगी है। गोली लगते ही वह खून से लथपथ होकर जख्मी हालत में जमीन पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक चांदी थाना क्षेत्र के चांदी गांव निवासी स्व.धीरज सिंह का 39 वर्षीय पुत्र गोपाल सिंह है। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है। इधर गोपाल सिंह ने बताया कि उसका ममेरा भाई प्रकाश भाई एक साथ बैठकर खाते-पीते हैं। रविवार को भी वह दोनों एक साथ बैठ कर खा-पी रहे थे। उसी दौरान नशा चढ़ने के बाद प्रकाश ने उसका गला कसकर दाब दिया और वह गिर गया। इसके बाद उसने भी प्रकाश का गला दाब दिया। जिसके बाद वह भी गिर पड़ा। इसके बाद गुस्से में आकर गोपाल सिंह ने उसे बांस से मार दिया। जिससे उक्त आरोपी का हाथ टूट गया था, जिसके बाद जख्मी ने उसका इलाज कराकर उसे घर भेज दिया। दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। हालांकि रविवार को बात खत्म हो गई थी। सोमवार की सुबह प्रकाश का भाई अपने दो अन्य साथियों के साथ बाइक से आया और उसे घर से बुलाया। जब वह घर से बाहर आया तो उसने कहा कि तुमने मेरे भाई को क्यों मारा। इसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी हुई। जिसके बाद उसने उसके पैर में गोली मार दी। जिसके बाद वह भागने लगा। तभी भागने क्रम में भी उसके द्वारा दुबारा फायरिंग की गई। लेकिन उसे गोली नहीं लगी। दूसरी ओर जख्मी गोपाल सिंह ने प्रकाश के बड़े भाई पुष्कर पर गोली मारने का आरोप लगाया। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। इलाज कर रहे चिकित्सक डॉ. विकास सिंह ने बताया कि गोली से जख्मी हालत में एक युवक आया था। उसके घुटने के जोड़ के पास गोली लगी थी। गोली लगने के कारण वहां घुटने की ज्वाइन नली डैमेज हो गया था और खून काफी निकल गया था। डैमेज नली का रिपेयर कर दिया गया है और खून को भी सिक्योर कर दिया गया है। अभी तत्काल उसे दो यूनिट ब्लड चढ़ाया जाएगा। मरीज की स्थिति अभी ठीक है।

नवादा के कवि नरेन्द्र को मिला मगही शिखर सम्मान -2023

नवादा। मगध प्रक्षेत्र की अति प्राचीन मगही भाषा को अष्टम अनुसूची में शामिल किए जाने वाले को लेकर ज्ञान भूमि गया से निकलने वाली मगही महा पदयात्रा के सेना नायक वरिष्ठ साहित्यकार व रंगकर्मी नरेन्द्र प्रसाद सिंह को प्रेस परिषद, टेकारी, गया की ओर से प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र व फल - फूलों से भरी पीली थैली देकर प्रेस परिषद के वरिष्ठ पत्रकार आलोक रंजन ने विगत 7 अप्रैल,2023 को "मगही शिखर सम्मान -2023" से सम्मानित किया। यह सम्मान नरेन्द्र को उनके पूर्णकालिक सर्जनात्मकता के लिए परिषद के वरिष्ठ पत्रकार आलोक रंजन ने प्रदान किया। इस महा पदयात्रा में केशरी नंदन मगही मंडप की ग्यारह सदस्यीय टीम पैदल मार्च कर रही है। केशरी नंदन मगही मंडप, नवादा के पदयात्री डॉ० भरत सिंह, रामनरेश कुमार, मंसूर खान नादां व मनोज कुमार को भी इसी सम्मान से अन्य यात्रियों के संग इसी सम्मान से चिल्ड्रेन पार्क, टेकारी की एक सभा में दिया गया। इस आशय की सूचना जारी करते हुए मंडप के प्रधान सचिव संतोष कुमार ने बताया कि ज्ञान भूमि, गया से निकली यह पदयात्रा वरिष्ठ साहित्यकार नरेन्द्र प्रसाद सिंह की सैनिक कमांड से विभिन्न पड़ावों से गुजरते हुए निरंतर धूप व गर्मी की तपिश में आगे बढ़ रही है,कि मगही रोजगार परक भाषा अवश्य बनेगी व अगर ऐसा नहीं हुआ तो हमलोग दिल्ली तक भी पैदल मार्च करेंगे। चिल्ड्रेन पार्क, टेकारी, गया के मैदान में आयोजित सभा के मौके पर प्रोफेसर रामानुग्रह सिंह, भाषाविद शत्रुघ्न दांगी, मुंद्रिका सिंह नायक, सुशील मिश्रा, अगस्त ऋषि, पुन्ना केशरी, पारस कुमार, हेमांशु शेखर सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

सुपौल में युवक की गोली मारकर हत्या

सुपौल में अपराधियों ने एक बार फिर से पुलिस को चुनौती दी है। बदमाशों ने युवक की सीने में गोली मारकर हत्या कर दी है। सदर थाना इलाके के वीणा रोड में रविवार की शाम वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस मोटिव की तलाश में जुट गई है। मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बेला वार्ड 15 निवासी अधिवक्ता माधव प्रसाद यादव के 22 वर्षीय पुत्र आशीष कुमार के रूप में हुई है। मृतक ने लॉ की पढ़ाई की थी। घटना के संबंध में बड़े भाई रविंद्र कुमार ने बताया कि उनकी बेटी रविवार सुबह से ही पेट दर्द से परेशान थी। अशीष उसे दिखाने कि लिए सुपौल ले गया था।जहां बच्ची को डॉक्टरों ने भर्ती करने के लिए कहा। शाम 6 बजे आशीष अस्पताल से अपने घर बेला लौट रहा था। तभी बीना बेला रोड ढपरिया बसुआर के पास बाइक सवार अपराधियों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। घटना की सूचना पर पहुंची सदर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

बांका में मिले 3 कोरोना पॉजिटिव केस

बांका में एक बार फिर कोरोना ने दस्तक दे दी है। जिले में एक साथ 3 कोरोना पॉजिटिव केस निकलने से हड़कंप मच गया है। बौसी में 2 और बेलहर में एक कोरोना पॉजिटिव एंटीजन किट जांच में निकला है। इसको लेकर सभी स्वास्थ विभाग अलर्ट हो गया है। तीनों मरीजों को स्वास्थ्य विभाग की देखरेख में होम आइसोलेशन में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग के सीएस ने इसकी पुष्टि की है। इसको देखते हुए मरीजों के लिए 15 बेड का आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है। हर बेड तक पाइप लाइन से ऑक्सीजन की आपूर्ति हो रही है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग द्वारा कहा गया है कि लोगों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। इससे निपटने के लिए जिले के सदर अस्पताल में इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। जहां कोरोना जांच एवं कोरोना बेड के साथ सभी प्रकार की व्यवस्था दुरुस्त कर दी गई है। साथ ही सैनिटाइज भी कराया जा रहा है। साथ ही इन तीनों लोगों के संपर्क में आने वालों का पता लगाकर कोरोना जांच की जा रही है।

पछुआ से पटना समेत 25 शहरों में बढ़ी गर्मी

पटना:-24 घंटों के दौरान पटना समेत बिहार के 25 शहरों के अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। दोपहर में प्रचंड धूप के बीच पछुआ हवा लू में बदलने की तैयारी में है। विभिन्न शहरों के अधिकतम तापमान में भी 2 डिग्री तक की वृद्धि दर्ज की गई है। रविवार को पटना का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस ऊपर दर्ज किया गया है। यहां का अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, 39.5 डिग्री के साथ खगड़िया में प्रदेश का सर्वाधिक अधिकतम तापमान दर्ज किया गया, नालंदा 38.3 डिग्री, गया 37.8 डिग्री, शेखपुरा 39 डिग्री, जमुई का अधिकतम तापमान 38.1 डिग्री दर्ज किया गया। बता दें कि आने वाले कुछ दिनों के दौरान प्रदेश के कई जिलों में अधिकतम तापमान बढ़ने के आसार है। मौसम विभाग ने 15 अप्रैल से तापमान 40 डिग्री तक पहुंचने की आशंका जताई है। इस दौरान गर्म हवा लोगों पर कहर बरपा सकती है। दरअसल, इस साल बिहार में अप्रैल महीने की शुरूआत से ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। राज्य में चलने वाली पछुआ हवा ने अभी से लू के हालात पैदा कर दिए हैं।

सूर्य महायज्ञ के निमित कार्यालय का उद्घाटन

औरंगाबाद। एतिहासिक, पौराणिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण से अति महत्वपूर्ण सौर तीर्थ स्थल देव में रानी तालाब स्थित महोत्सव मैदान में सूर्य नारायण महायज्ञ के निमित यज्ञ कार्यालय का उद्घाटन किया गया। यज्ञ कार्यालय का उद्घाटन काशी विश्वनाथ वाराणसी के अर्चक, यज्ञ आचार्य श्रीदेव शास्त्री के साथ आए विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा वैदिक रीति रिवाज और मंत्रोच्चारण के साथ किया गया।ज्ञात हो कि देव में 23 अप्रैल को जल यात्रा के साथ श्री सूर्य नारायण महायज्ञ प्रारंभ होगा।30 अप्रैल तक चलने वाले महायज्ञ को सुचारू रूप से संपन्न कराने को लेकर यज्ञ कार्यालय का उद्घाटन किया गया।इस दौरान यज्ञ समिति के सचिव सतीश कुमार पाठक,यज्ञ मुख्य यजमान ज्ञानेश कुमार पाण्डेय, समाजसेवी आलोक सिंह, विजय कुमार सिंह, समाजसेवी नंदलाला मेहता सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

15 अप्रैल को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती

पटना। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से०) के संरक्षक बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के पटना आवास पर 15 अप्रैल को संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहब भीमराव की 132 वीं जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजेश पांडेय ने बताया कि 15 अप्रैल को हम पार्टी की ओर से होने वाली बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती में पार्टी के संस्थापक बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार सरकार में अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण मंत्री डॉ० संतोष कुमार सुमन पार्टी के माननीय विधायक , पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता आयोजित जयंती समारोह के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होंगें।

मोबाइल, टीवी व कम्प्यूटर से हो रही आँखें खराबः डॉ मनीष श्रीवास्तव

बिलासपुर। विश्वास सोशल वेलफेयर सोसायटी (उपासना एजुकेशन ट्रस्ट) में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जनरल ड्यूटी असिस्टेंट और मेडिकल लैब टेक्नीशियन कोर्स के विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी शिक्षा दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ रायपुर के डॉ मनीष श्रीवास्तव थे। अध्यक्षता अरपा रेडियो की डायरेक्टर संज्ञा टंडन थीं। डॉ मनीष श्रीवास्तव ने इस अवसर पर बताया कि आज कल बच्चों में आँसू न आने की शिकायत बहुत देखी जाती है। इसका कारण मोबाइल का बहुत अधिक उपयोग है जो बच्चो में स्कविंट रोग को भी बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि जी 20-20-20 का उपयोग करके किस प्रकार आंखो की बीमारियों एवम विकिरणों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सिगरेट स्मोकर फेफड़ों के बचाव के लिए व्हिसील एवम बांसुरी का उपयोग कर सकते हैं। अरपा रेडियो की संचालिका संज्ञा टंडन ने कहा की अच्छे स्वास्थ्य के लिए आंखो का सुरक्षित रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज अधिक से अधिक लोग सेकंड हैंड स्मोकर हैं जिनकी वजह से हम संपर्क में आते है। कार्यक्रम का संचालन अरपा रेडियो से मातृका साहू ने किया। कार्यक्रम के अंत मे विश्वास सोशल वेलफेयर सोसायटी की सचिव संध्या चंद्रसेन ने सबका धन्यवाद प्रकट किया। कार्यक्रम में विश्वास सोशल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मिंटू अरोरा , सचिव संध्या चंद्रसेन, मनीषा सैमुअल एवम संस्था के छात्राएं उपस्थित थे।

बिहार के नवें टॉपर हर्ष कुमार को किया गया सम्मानित

पटना। बिहार इंटरमीडिएट परीक्षा 2023 के साइंस संभाग में पूरे बिहार में टॉपर से लिस्ट में नौवां स्थान लाने वाले तथा अरवल जिला में द्वितीय स्थान लाने वाले हर्ष कुमार का राजधानी पटना में अपाया कंस्ट्रक्शन तथा आइए मिलकर प्रेरित करें बिहार अभियान के द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें अभियान के जुड़े इंजीनियर कुमार राहुल तथा अपाया कंस्ट्रक्शन के शिवेश कुमार तथा कौस्तुभ कुमार ने में मिंटो अंग वस्त्र प्रदान कर हर्ष का हौसला बढ़ाया इस अवसर पर आइए मिलकर प्रेरित करें बिहार अभियान अरवल चैप्टर के प्रमुख रोहित कुमार भी उपस्थित थे इस अवसर पर इंजीनियर कुमार राहुल ने कहा कि आइए मिलकर प्रेरित करें बिहार अभियान से संबंधित जेई नीतीश कुमार को निशुल्क इंजीनियरिंग की कोचिंग प्रदान कर रहा है वही अभियान तथा पाया कंस्ट्रक्शन मिलकर इस मेधावी छात्र को पटना में रहकर इंजीनियरिंग की तैयारी करने के दौरान आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करवाएगा इस अवसर पर आ पाया कंस्ट्रक्शन के शिवेश कुमार तथा कौस्तुभ कुमार ने कहा कि बिहार में प्रतिभाओं की कमी नहीं है अगर कोई बच्चा आर्थिक रूप से विफलता के कारण अपने सपनों को पूरा नहीं कर पा रहा है तो जहां तक संभव होगा उसे आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।आइए मिलकर प्रेरित करें बिहार अभियान के अरवल चैप्टर के प्रमुख रोहित कुमार ने कहा कि अरवल के टीम ने हर्ष को आर्थिक सहायता देने की प्रतिबद्धता दोहराई है उसी कड़ी में आइए मिलकर प्रेरित करें अभियान के तहत उसे निशुल्क कोचिंग आवासीय सुविधा के साथ पटना में उपलब्ध कराने की दिशा में भी कारगर पहल की गई है। आयोजित सम्मान समारोह में अभियान से जुड़े रजनीकांत समेत कई गणमान्य उपस्थित थे

पर्यटन के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा देश : नंदकिशोर

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव ने कहा कि पीएम मोदी के शासनकाल में देश पर्यटन के क्षेत्र में लगातार विकास कर रहा है। इसकी वजह है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में पर्यटन स्थलों का काफी विकास हुआ। देश में कई ऐसे पर्यटक स्थल हैं , जो सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लाते हैं। दूसरी बात यह कि विदेशी सैलानी भारत भ्रमण में अपने को सुरक्षित महसूस करते हैं। आवागमन के साधन और होटलिटी में पर्यटकों को सहूलियत मिल रही है। यादव ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कोविड महामारी के बाद देश से बाहर के पर्यटन ने जोर पकड़ लिया है। भारत में वीजा के लिए आवेदनों में पिछले साल अच्छा खासा इजाफा देखा गया। साल 2022 में वीजा आवेदनों की संख्या कोविड के पहले के स्तर के 80 फीसदी के करीब पहुंच गई है। वहीं दिल्ली से हुए वीजा आवेदनों में भी साल 2021 के मुकाबले साल 2022 में 93 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई। दिल्ली से वीजा अप्लाई करने में यह बढ़ोतरी देश भर के आंकड़ों के बराबर है। यादव ने कहा कि पर्यटन में उछाल से देश को विदेशी मुद्रा की आय हो रही है। पर्यटन से विदेशी मुद्रा की आय 2021 में 65,070 करोड़ से 107 प्रतिशत बढ़कर 1,34,543 करोड़ों रुपये हो गयी है। पर्यटन के विकास से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों लोगों को रोजगार मिल रहा है।

देव में सूर्य महायज्ञ की तैयारी जोरों पर, यज्ञ वेदी और यज्ञशाला का निर्माण तेज

औरंगाबाद। एतिहासिक, पौराणिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण से अति महत्वपूर्ण सौर तीर्थ स्थल औरंगाबाद जिले के भगवान भास्कर के नगरी देव में होने वाले भगवान सूर्य महायज्ञ को लेकर रानी तालाब के मैदान में यज्ञशाला और यज्ञ वेदी निर्माण का कार्य जोर शोर से चल रहा है। इस यज्ञशाला निर्माण के लिए मुजफ्फरपुर से 6 कारीगर लगाए गए हैं कारीगर में से एक रामेश्वर पासवान बताया कि इस यज्ञ मंडप को 10 दिनों का अंदर तैयार कर दिया जाएगा। आपको बता दें कि श्री सूर्य महायज्ञ आगामी 23 अप्रैल से 30 अप्रैल तक कराए जाने का निर्णय लिया गया है। इसमें जल भरी प्रभारी के रूप में रिंकू सिंह प्रिया देवी और मुन्नी देवी को बनाया गया है।जबकि सचिन कुमार अंकित कुमार पिंटू कुमार नवनीत कुमार अमृत कुमार वर्मा गुलशन आदर्श प्रभात विक्की विवेक सहित अन्य लोगों को सहयोगी बनाया गया है। भंडारा विभाग पटना के रहने वाले राजीव कुमार सिंह को दिया गया है। इनके सहयोग के लिए नंदलाल मेहता राकेश कुमार प्रिंस कुमार सिंह अंकित कुमार शामिल रहेंगे। प्रचार प्रमुख के रूप में अमृत कुमार वर्मा और गुलशन कुमार को जिम्मेवारी दी गई है। वहीं प्रसाद और भोजन विभाग की जिम्मेवारी सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य राजीव कुमार पांडे और मनीष कुमार को दिया गया है। यज्ञशाला निर्माण की जिम्मेवारी अभिषेक मिश्रा को सौंपी गई है। वही कथा प्रवचन विभाग कंचन देव एवं मनोज कुमार सिंह को दिया गया है। सुरक्षा विभाग की जिम्मेवारी वैसे तो पुलिस और प्रशासन की होगी लेकिन उसके बावजूद देव के सिंटू कुमार सिंह प्रिंस कुमार सिंह सोनू कुमार सिंह रॉकी कुमार सिंह और अनीश कुमार सिंह को सौंपा गया है। वही पूजन विभाग दीपक कुमार तिवारी और वीरेंद्र प्रसाद को मिली है।

यदुकुल शिरोमणि महाबली वीर लोरिक के जयंती पर किया कोटि-कोटि नमन

खगड़िया। देश बचाओ अभियान फरकिया मिशन के तत्वाधान में यदुकुल शिरोमणि महाबली वीर लोरिक का जयंती पर कृतज्ञ यदुकुल वंशी ने संपर्क कार्यालय में कोटि-कोटि नमन कर याद किया। इस अवसर पर अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने कहा कि वीर लोरिक सच्चे अर्थों में यदुकुल शिरोमणि, महाबली, ऐतिहासिक लोकनायक, महान यदुवंशी राजा, महावीर योद्धा, आमजन हितैषी एवं अन्यायी सामंती ताकतों के कट्टर विरोधी हूणहंता थे। वे अपार बल, युद्ध कौशल एवं शौर्य के बल पर उत्तर भारत में सुविख्यात थे। वे राजा भोज के वंशज माने जाते हैं। वे विदेशी आक्रमणकारी हूणों को पराजित कर मातृभूमि आर्यावर्त भारत को सुरक्षित रखे। उन्होंने राजा पृथ्वीराज चौहान को भी युद्ध में पराजित किए। उन्होंने बेंगठा चमार के आतंक से दलदल में भयंकर युद्ध कर पराजित कर प्रजा को मुक्त कराएं। इनका अहीर मनिहयार कुल यादव जाति में उत्तर प्रदेश के बलिया के निकट गऊरा गांव के पंवार गोत्र के क्षत्रिय यदुवंशी अहीर घराने में हुआ था। इनके सुप्रसिद्ध पहलवान पिता कुआ एवं धर्मपरायण माता खुल्लनी उर्फ प्रगल्भा थे। वीर लोरिक बहुत सुंदर, बहादुर, बलशाली, रोबदार मूंछें, 8 फीट लंबे ऊंचे, भीमकाय शरीर, 85 मन के वजनी तलवार रखते थे।

जो चांद तक जाएंगे

लगभग छह महीने से उन अंतरिक्ष यात्रियों का इंतजार था, जिन्हें चांद तक जाना है। पचास साल से ज्यादा समय बीत गया, कोई इंसान न तो चांद पर उतरा है और न उसके पास गया है। अब नासा और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (सीएसए) ने चार अंतरिक्ष यात्रियों की घोषणा की है, जो आर्टेमिस-2 पर सवार चंद्रमा की परिक्रमा करेंगे। इस अभियान में यात्रियों को चांद पर उतारने की योजना नहीं है। यात्री चांद को करीब से देख पाएंगे। वास्तव में, यह चंद्रमा पर दीर्घकालिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए नासा का पहला क्रू-मिशन है। इसका अर्थ यह है कि इस अभियान के बाद भी चांद पर मानव उपस्थिति को सशक्त करने के सतत अभियान चलेंगे। एक ऐसा अंतरिक्ष केंद्र चांद पर बनाने की कल्पना है, जहां से दूसरे ग्रहों के लिए अभियान चला करेंगे। पृथ्वी के करीब स्थित उपग्रह चांद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए पड़ाव हो जाएगा। फिलहाल चांद से मंगल तक पहुंचने की योजना तैयार है। यह इंसानी सभ्यता के लिए एक बड़ी कामयाबी होगी। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन की टिप्पणी वाकई अभिभूत कर देती है कि अंतरिक्ष यात्रियों का यह दल हमें सितारों तक ले जाने के लिए अथक परिश्रम करने वाले हजारों लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। यह उनका दल है, यह हमारा दल है, यह मानवता का दल है। चांद तक जाने के लिए जो अंतरिक्ष यात्री चुने गए हैं, उनकी ओर पूरी दुनिया देख रही है। कमांडर रीड वाइसमैन, पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन विशेषज्ञ-1 क्रिस्टीना हैमॉक कोच और मिशन विशेषज्ञ-2 जेरेमी हैनसेन, ऐसे चार अंतरिक्ष यात्री हैं, जो चांद तक मानवता की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। यह अभियान करीब दस दिनों का होगा और इस दौरान हजारों प्रकार के परीक्षणों को अंजाम दिया जाएगा। अनेक नई तकनीकों का व्यावहारिक परीक्षण होगा। विगत 51 वर्षों में चांद तक पहुंचने की तकनीक में काफी परिवर्तन हुए हैं। एक बात यह भी गौर करने की है कि यह अभियान अमेरिका और कनाडा मिलकर कर रहे हैं। अभी तक चांद तक जाने का गौरव अमेरिकियों को ही हासिल था। तत्कालीन सोवियत संघ ने खूब प्रयास किए थे, लेकिन जब अमेरिकियों ने चांद पर बार-बार पहुंचकर अपनी वैज्ञानिक तरक्की के झंडे गाड़ दिए, तब रूस शायद अपने सम्मान की रक्षा के लिए अचानक ही चंद्र अभियान से पीछे हट गया। यह कनाडा और उसकी अंतरिक्ष एजेंसी के लिए गौरव की बात है। जेरेमी हैनसेन कनाडाई नागरिक हैं और अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुने जाने का सौभाग्य उन्हें हासिल हुआ है। इन चारों को योग्यता के हर पैमाने पर परखने के बाद चुना गया है। ये सभी तकनीकी रूप से बहुत कुशल और प्रतिकूल स्थितियों में भी यथोचित निर्णय लेने में माहिर हैं। यह नई सदी में अंतरिक्ष यात्रियों की पहली ऐसी पीढ़ी होगी, जिसकी सफलता पर आगे के अंतरिक्ष अभियान निर्भर करेंगे। कम से कम पांच देश हैं, जो चांद पर इंसान भेजने के लिए प्रयासरत हैं। खैर, फिलहाल चुने गए चारों अंतरिक्ष यात्रियों को पूरी तरह से अंतरिक्ष यात्रा के लिए तैयार किया जाएगा। अंतिम तैयारी भी बहुत कठिन और जटिल होती है।

2024 चुनाव में कैसे बनेगी बात?

एनसीपी प्रमुख और विपक्ष के कद्दावर नेता शरद पवार ने हाल में दिए अपने एक चर्चित इंटरव्यू में अडाणी मसले पर जो कुछ कहा, उसके बाद विपक्षी खेमे में उथलपुथल की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने जहां अडाणी ग्रुप को टारगेट किए जाने की आशंका जताई, वहीं यह भी कह दिया कि इस मामले की जेपीसी यानी संयुक्त संसदीय समिति से जांच करवाने का कोई फायदा नहीं होगा। उनके मुताबिक, चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की एक समिति बनाकर उसे जांच की जिम्मेदारी सौंप दी है, इसलिए अब जेपीसी जांच पर जोर देने की कोई वजह नहीं है। इस इंटरव्यू के बाद विपक्षी खेमे में अफरातफरी मचना स्वाभाविक ही था। इससे पहले विपक्ष की 20 पार्टियां मिलकर जेपीसी जांच की मांग कर रही थीं। इस इंटरव्यू के प्रसारित होने से मेसेज यह गया कि विपक्षी खेमा इस मामले में अब एकजुट नहीं रह गया है। ध्यान रहे, शरद पवार का यह इंटरव्यू ऐसे समय आया, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी एकजुटता को लेकर विभिन्न पार्टियों से संपर्क करने की कवायद शुरू की थी। ऐसे में यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि आखिर शरद पवार का इरादा क्या है। हालांकि कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने क्षतिपूर्ति की कोशिश तत्काल शुरू कर दी है। जयराम रमेश सहित कांग्रेस के कई प्रमुख नेताओं ने कहा कि शरद पवार की राय इस मसले पर भले ही अलग हो, अन्य पार्टियों का रुख बिलकुल साफ है और कांग्रेस उन दलों के साथ मिलकर यह मुद्दा उठाती रहेगी। शिवसेना (उद्धव गुट) के संजय राउत ने भी कहा कि शरद पवार के इस बयान का विपक्षी एकता के प्रयासों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन ये नेता कुछ भी कहें, सच तो यही है कि इस पर असर पड़ चुका है। विपक्षी खेमे में असमंजस और कन्फ्यूजन साफ दिख रहा है। सीपीआई के डी राजा ने कहा कि अलग-अलग लोग अलग-अलग राय व्यक्त कर रहे हैं, इसलिए देखना पड़ेगा कि क्या स्थिति बनती है।

इस विरोध का अर्द्धसत्य

विश्लेषण

✍ डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह

प्रोफेसर ई.एच. कार ने अपनी पुस्तक 'इतिहास क्या है' में लिखा है कि इतिहास की व्याख्या समय के साथ उद्घाटित होने वाले तथ्यों और सूचनाओं के आलोक में परिवर्तनशील है। जैसे-जैसे नये तथ्य एवं जानकारियां जुड़ते जाएंगे वैसे-वैसे ही इतिहास की व्याख्या और विषयवस्तु में परिवर्तन होता रहेगा। प्रोफेसर बिपन चन्द्रा ने भी स्वीकार किया है कि कोई भी इतिहासकार अपने इतिहास लेखन को सार्वभौमिक होने का दावा नहीं कर सकता। प्रोफेसर कालिंगवुड ने अपनी पुस्तक 'आइडिया ऑफ हिस्ट्री' में लिखा है कि सम्पूर्ण इतिहास किसी भी इतिहासकार के वैचारिक अभिव्यक्ति का इतिहास है जो यह दशार्ता है कि वह इतिहास को और उसके तथ्यों को किस रूप में देखता है। लेकिन जब कोई विद्वान किसी राजनीतिक दल और विचारधारा के समर्थक के रूप में कार्य करने लगता है तो फिर वह जानबूझकर लोगों को अपने अकादमिक आभामंडल के प्रभाव से विचलित करने का प्रयास करता है।

जब से एनसीईआरटी ने इतिहास विषय में एक्सपर्ट कमेटी के सलाह पर बदलाव करने का फैसला किया है तब से वामपंथ और कांग्रेस विचारधारा से प्रभावित अकादमिक गुट सक्रिय हो गया है। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है ऐसा ही माहौल तब भी तैयार किया गया था जब डॉ. मुरली मनोहर जोशी मानव संसाधन विकासमंत्री थे। इस समय इतिहास विषय में भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को आतंकवादी आंदोलन के नाम से पढ़ाया जा रहा था। डॉ. जोशी के कार्यकाल में एनसीईआरटी ने इतिहास से आतंकवादी शब्द को हटाने का निर्णय लिया था। इसके साथ ही बहुत से भ्रामक तथ्य जानबूझकर गलत तरीके से इतिहास विषय के रूप में बच्चों को पढ़ाए जा रहे थे। इसका एकमात्र उद्देश्य यह था कि नई पीढ़ी हमेशा कांग्रेस और गांधी को देश की आजादी के आंदोलन का अगुवा और मुस्लिम लीग, हिन्दू महासभा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को साम्प्रदायिक शक्तियों के रूप में समझे। एनडीए प्रथम सरकार के कार्यकाल में एनसीईआरटी के इतिहास पाठ्यक्रम में बदलाव भी किया गया। इसके बाद दुर्भाग्यवश एनडीए सरकार सत्ता में वापसी नहीं कर पाई और कांग्रेस समर्थित सरकार ने सत्ता में आते ही उसी पुराने इतिहास के सिलेबस को फिर से लागू कर दिया। महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यदि देश में एक खिचड़ी गठबंधन सरकार ने अपने अधिकारों के प्रयोग कर पूर्ववर्ती सरकार के फैसले को बदला तो एक पूर्ण बहुमत की सरकार जिसको देश ने दोबारा प्रचंड बहुमत दिया है उसने एक्सपर्ट कमेटी की सलाह पर अगर कुछ बदलाव किए भी हैं तो इसपर इतना हंगामा खड़ा क्यों किया जा रहा है। वास्तव में जैसे-जैसे इतिहास विषय में नये शोध के माध्यम से नई-नई जानकारियां निकल कर आ रही हैं उससे वामपंथी इतिहासकारों और कांग्रेस शासन के गठजोड़ की कूटरचित इतिहास की परतें खुलती जा रही हैं। इससे भारत विभाजन में कांग्रेस की साम्प्रदायिक राजनीति का काला अध्याय और वामपंथियों के सोवियत संघ समर्थित राजनीति की असलियत सामने भी आने लगी है। वास्तव में यह विरोध इतिहास विषय से कुछ चैप्टर को हटाने से कहीं ज्यादा देश के ऊपर थोपे गए तथ्यहीन इतिहास पर कठघरे में खड़ा होने से बचने का है। प्रोफेसर ई.एच. कार ने अपनी पुस्तक 'इतिहास क्या है' में लिखा है कि इतिहास की व्याख्या समय के साथ उद्घाटित होने वाले तथ्यों और सूचनाओं के आलोक में परिवर्तनशील है। जैसे-जैसे नये तथ्य एवं जानकारियां जुड़ते जाएंगे वैसे-वैसे ही इतिहास की व्याख्या और विषयवस्तु में परिवर्तन होता रहेगा। प्रोफेसर बिपन चन्द्रा ने भी स्वीकार किया है कि कोई भी इतिहासकार अपने इतिहास लेखन को सार्वभौमिक होने का दावा नहीं कर सकता। प्रोफेसर कालिंगवुड ने अपनी पुस्तक 'आइडिया ऑफ हिस्ट्री' में लिखा है कि सम्पूर्ण इतिहास किसी भी इतिहासकार के वैचारिक अभिव्यक्ति का इतिहास है जो यह दशार्ता है कि वह इतिहास को और उसके तथ्यों को किस रूप में देखता है। लेकिन जब कोई विद्वान किसी राजनीतिक दल और विचारधारा के समर्थक के रूप में कार्य करने लगता है तो फिर वह जानबूझकर लोगों को अपने अकादमिक आभामंडल के प्रभाव से विचलित करने का प्रयास करता है। दुनिया भर का नैसर्गिक प्राचीन इतिहास कबीलों से शुरू होता है। यूरोपीय देश खासकर यूनानी आज भी मैग्नास्पार्टा को अपने इतिहास को राष्ट्रीय धरोहर मानते हैं, लेकिन भारत का प्राचीन इतिहास सिन्धु नदी घाटी की विश्वप्रसिद्ध नगरीय सभ्यता से आरंभ होकर आर्यों के कबीलाई इतिहास की ओर बढ़ता है। क्या यह किसी भी मानव सभ्यता के इतिहास का शुरूआती चरण हो सकता है जो गांव और कबीलों के बसने से पहले नगरीय सभ्यता बन गई हो ? बिलकुल भी नहीं और न ही दुनिया के किसी भी इतिहास में कोई एक भी उदाहरण उपलब्ध है। सिलेबस के बदलने का विरोध कर रहे लोगों के पास इस तथ्य का कोई जवाब नहीं है कि जब कोई सभ्यता बिना ग्रामीण सभ्यता से गुजरे सीधे नगरीय सभ्यता नहीं बन सकती तो अंग्रेजों द्वारा थोपा गया झूठा इतिहास क्यों नही बदला गया ? इसके दो ही कारण हो सकते हैं। पहला यह कि आज भी ये अंग्रेजी मानसिकता के गुलाम है और दूसरा यह कि ये लोग भारत में रहते हुए अंग्रेजो द्वारा निर्मित इतिहास की वैधता को संरक्षित रखना चाहते हैं ताकि भारत में यह इतिहास जातिवाद और साम्प्रदायिकता का पोषण करता रहे। मध्यकालीन भारतीय इतिहास के एक भाग में पढ़ाया जाता है कि बरनी, अफीफ, सिराज, बदायुनी, अबुल फजल जैसे राजाश्रय प्राप्त लेखकों की कृतियां मध्यकालीन भारत के इतिहास को लिखने के प्रमुख स्रोत हैं। कमोबेश भारत का मध्यकालीन इतिहास इनकी लिखीं किताबों का ट्रांसलेशन मात्र है। लेकिन उसी दौर में लिखा गया चंद्रबरदाई कृत पृथ्वीराज रासो, हम्मीरमद मर्दन, पृथ्वीराज विजय जैसे अनेक ग्रंथों को यह कहते हुए खारिज कर दिया गया कि यह दरबारी इतिहासकारों ने राजा की चाटुकारिता में लिखे हैं जिनके तथ्यों पर विश्वास करना कठिन है। लेकिन यही तर्क वह इन मुस्लिम दरबारी इतिहासकारों पर लगाने से मुकर जाते हैं। इन्हें बरनी की यह लाइन लिखने में ऐतिहासिक तथ्य दिखाई पड़ता है कि मुहम्मद तुगलक राजधानी परिवर्तन के समय दिल्ली में छिपे एक अंधे और एक विकलांग को घोड़ों से बांधकर दौलताबाद ले गया लेकिन चंद्रबरदाई कृत पृथ्वीराज रासो में उल्लिखित रचार अंश चौबीस गज अंगुल अष्ट प्रमाण, ता बैठा सुल्तान है अब न चुक चौहानर अतिशयोक्ति और तथ्यहीन लगता है। इनके अनुसार बरनी का यह कथन तर्कपूर्ण लगता है की मुहम्मद तुगलक द्वारा सांकेतिक मुद्रा के रूप में तांबे के सिक्के का प्रचलन होने पर हर हिन्दू का घर टकसाल बन गया और मुस्लिम बिलकुल साफ पाक थे। तथ्य यह है की हल्दीघाटी का युद्ध दो राजपूत सेनाओं क्रमशः महाराणा प्रताप और मानसिंह के बीच लड़ा गया जिसमे मानसिंह की मदद मुगल सेना ने की लेकिन महाराणा प्रताप को अकबर से पराजित दिखाया गया कतथ्य यह भी है कि हल्दीघाटी के बाद महाराणा प्रताप ने कई युद्धों में मुगल सेना को न केवल पराजित किया बल्कि अपने हारे हुए समस्त भू-भाग का अधिकांश हिस्सा पुनः वापस जीत लिया।क्या एनसीईआरटी के इतिहास में उन युद्धों का जिक्र है ? अगर नहीं है तो क्यों नहीं है, इसका जवाब क्या यह विरोध करने वाले देंगे ? आधुनिक भारत का इतिहास भारत का इतिहास होने के बजाय कांग्रेस की स्थापना और उसके द्वारा विफल आंदोलनों का इतिहास भर क्यों है ? कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ पैक्ट के बाद लीग का भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान गायब क्यों कर दिया गया ? भारत में खिलाफत आंदोलन को सांप्रदायिक आन्दोलन कहते हुए जिन्ना ने गांधी को इस आंदोलन को समर्थन नहीं देने का सुझाव दिया था जिसको गांधी ने हाकिम अजमल खान के प्रभाव में मानने से इंकार कर दिया था। सवाल यह है कि इस तथ्य को भारत के इतिहास से क्यों हटाया गया ?

वीर सावरकर की एक चिट्ठी मात्र से उनके भारत के लिए किए गए बलिदान और दोहरे आजीवन कारावास हेतु काले पानी की सजा को इतिहास के पन्नों से मिटाकर उन्हें देशद्रोही और अंग्रेजी शासन का भक्त कहने वाले यह इतिहासकार इस बात का कोई भी सुबूत देने से पीछे हट जाते हैं कि मोहनदास करमचंद गांधी ने एक गुजराती व्यापारी के मुकदमे को छोड़कर अपने जीवन में ऐसे कौन से मुकदमे अंग्रेजी शासन से भारतीयों के लिए जीते थे जिससे उनकी प्रसिद्धि पूरे भारत में पहुंच गई? मसलन जहां तक तथ्यों की बात है उस समय तक न तो आज की तरह सोशल मीडिया था, न टीवी समाचार चैनल था और न ही देश की साक्षरता दर इतनी थी कि उस समय अंग्रेजी और हिंदी की पत्रिकाओं में लिखे जा रहे लेखों को आम जनमानस पढ़ सके। फिर दक्षिण अफ्रीका से लौटने से पहले ही गांधी पूरे भारत में एक नायक के रूप स्थापित कैसे हो गए। प्रथम विश्व युद्ध में बाल गंगाधर तिलक जैसे राष्ट्रीय नेता भारतीयों को विश्व युद्ध में शामिल करने के विरुद्ध थे। वह इस मौके को भारत को आजाद कराने के अवसर के रूप में देख रहे थे ठीक उसी समय गोपाल कृष्ण गोखले के सहयोग से मोहन दास करमचंद गांधी भारतीय युवाओं को अंग्रेजी सेना में शामिल होने के लिए अभियान चला रहे थे और लोगों से अंग्रेजी शासन को मदद करने की अपील कर रहे थे। उनकी इस सेवा से प्रसन्न होकर ब्रिटिश सरकार ने उन्हें सार्जेंट ऑफ इंडिया की उपाधि दी, जिसको गांधी ने सहर्ष स्वीकार किया।

लेखक, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली में शोध सहायक हैं।

बहुत याद आएंगे सलीम दुर्रानी

सलीम दुर्रानी के बीते रविवार को निधन से भारत ने अपना 1960 और 1970 के दशकों के एक बेहद लोकप्रिय और लाजवाब क्रिकेटर खो दिया। सलीम दुर्रानी ने गुजरात के जामनगर में आखिरी सांस ली। सलीम दुर्रानी जब मैदान में होते थे, तो कोई भी लम्हा नीरस नहीं होता था। सलीम दुर्रानी के लिए मशहूर था कि वे दर्शकों की मांग पर छक्का मारते थे। उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल हरफनमौला क्रिकेटर माना जाता था। दर्शकों की छक्के की मांग को वे फौरन पूरा करते थे। वे राजधानी में सालों राजस्थान की तरफ से रणजी ट्रॉफी के मैच खेलने के लिए करनैल सिंह स्टेडियम में आया करते थे। राजस्थान की उस दौर की टीम में हनुमंत सिंह, लक्ष्मण सिंह तथा कैलाश गट्टानी जैसे स्टार प्लेयर होते थे। हनुमंत सिंह तो सेंट स्टीफंस कॉलेज के स्टूडेंट रहे थे। पर सलीम दुरानी की लोकप्रियता के सामने बाकी सब उन्नीस थे। उनकी बेखौफ बल्लेबाजी को देखने के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान लाला अमरनाथ विशेष रूप से स्टेडियम में आया करते थे। लाला अमरनाथ करनैल सिंह स्टेडियम के पीछे पचकुइयां रोड में रेलवे के बंगले में रहा करते थे। उन्हें घर से वसंत लेन होते हुए स्टेडियम पहुंचने में पांच मिनट से अधिक नहीं लगते थे। लाला अमरनाथ कहते थे कि सलीम दुरानी की बैटिंग देखकर दिल खुश हो जाता है। उन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिलता था। उन्हें देखने और उनके आटोग्राफ लेने वालों की लंबी लाइन होती थी।

सलीम दुरानी ने भारत के लिए अपना पहला टेस्ट मैच पहली जनवरी, 1960 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला था। दुरानी ने लगभग 13 साल क्रिकेट खेला और भारत का जोरदार प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने खेले गए 29 टेस्ट में 25.04 की औसत से बल्लेबाजी करते हुए 1202 रन बनाए, जिसमें उनके बल्ले से एक शतक और सात अर्धशतक थे। वह एक ऐसे बल्लेबाज थे जो फैंस की मांग पर छक्का लगाया करते थे। इसके अलावा सलीम दुरानी ने गेंदबाजी में भी अपना खूब नाम किया है। उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर में 75 विकेट भी झटके हैं। वह एक लेफ्ट आर्म स्पिन गेंदबाज थे। सलीम दुरानी ने भारत का सिर्फ टेस्ट क्रिकेट में ही प्रतिनिधित्व किया है। सलीम दुरानी ने भारत को साल 1971 में वेस्टइंडीज की सरजमीं पर पहली टेस्ट जिताने में अहम रोल निभाया था। पोर्ट ऑफ स्पेन में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में कुछ गेंदों के अंदर ही क्लाइव लॉयड और कप्तान गैरी सोबर्स को सस्ते में आउट कर दिया था। उस मैच की दूसरी पारी में उन्होंने 17 ओवर में सिर्फ 21 रन दिए थे। सलीम दुरानी 1961-62 में इंग्लैंड के खिलाफ मिली टेस्ट सीरीज जीत के हीरो रहे थे। उन्होंने कोलकाता और चेन्नई में खेले गए टेस्ट मैच में आठ और 10 विकेट हासिल किए थे। सलीम दुरानी साल 2005 से 2007 के बीच लगातार दिल्ली आने लगे थे। वे वसंत कुंज के एक फ्लैट में रहा करते थे। दरअसल यहां पर उनके नाम पर एक क्रिकेट चैंपियनशिप आयोजित हुई थी। तब उन्हें आयोजकों ने दिल्ली बुलाकर वसंत कुंज में रहने को फ्लैट दे दिया था। सलीम दुरानी दोस्ताना किस्म के इंसान थे। अमूमन उनकी शामें प्रेस क्लब में ही गुजरती थीं। वहां पर उन्हें दोस्त घेरे रहते। वे कैरम भी खेलते और आमतौर पर जीत जाते। उनके पास क्रिकेट की दुनिया से जुड़े तमाम किस्से थे। पर वे राजधानी में क्रिकेट कोचिंग के किसी भी प्रस्ताव को मानने के लिए तैयार नहीं होते थे। यह बात समझ नहीं आई कि सलीम भाई ने कभी कोचिंग क्यों नहीं की। सलीम दुरानी फक्कड़ किस्म के मनुष्य थे। उनके पुराने दोस्तों को याद आ रहे हैं उनके साथ गुजारे यादगार लम्हे। वे प्रेस क्लब में हमेशा बिल देने की जिद करते थे। फिर खुद ही अपने हाथ खींच लेते थे। बाद में बड़ी ही मासूमियत से कहते थे- अच्छा हुआ बिल आपने दे दिया। मेरे पास तो पैसे हैं ही नहीं। सलीम दुरानी का जन्म 11 दिसंबर 1934 को हुआ था। उनका जन्म स्थल अफगानिस्तान की राजधानी काबुल था। लेकिन कुछ ही समय बाद परिवार आठ माह के सलीम दुरानी को लेकर पाकिस्तान के कराची में आकर बस गया था। भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद परिवार भारत में आ गया। उनके पिता अब्दुल अजीज भी एक बेहतरीन क्रिकेटर थे। उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज हनीफ मोहम्मद को भी कोचिंग दी थी। घरेलू क्रिकेट में सलीम दुरानी ने सौराष्ट्र (1953) से शुरूआत की थी। फिर वह 1954 से 1956 तक गुजरात की ओर से खेले। तत्पश्चात लम्बे समय तक (1956 से 1978) राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया था। दुरानी फैंस के बीच काफी पॉपुलर थे, इसका नजारा साल 1973 में इंग्लैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में देखने को मिला। उनको प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया।इसके बाद फैंल ने मैच के दौरान साइन बोर्ड पर 'नो दुरानी नो टेस्ट' लिखकर इसका विरोध किया। सलीम दुरानी का व्यक्तित्व सुदर्शन था। आकर्षक लगने वाले, खुशमिजाज व्यक्तित्व के धनी सलीम दुरानी ने बॉलीवुड फिल्म में भी अपना दांव लगाया था। 1973 में सलीम दुरानी ने 'चरित्र' नाम की एक फिल्म में एक्टिंग की थी। इस फिल्म में सलीम दुरानी ने उस समय की स्टार अभिनेत्री परवीन बॉबी के साथ काम किया था। हालांकि फिल्म पिट गई थी। सलीम दुरानी आखिरी दिनों में आर्थिक संकट स जूझ रहे थे। उनके पास भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की पेंशन के अलावा आय का कोई दूसरा स्रोत नहीं था। उनके करीबी कहते हैं कि सलीम दुरानी ने वक्त रहते पैसा सही से इनवेस्ट नहीं किया। इस कारण से उन्हें जीवन के संध्याकाल में कष्ट हुए। उन्होंने क्रिकेट को छोड़ने के बाद कहीं कोई नौकरी भी नहीं की। जाहिर है उन्हें दिक्कतें आईं। बहरहाल, सलीम दुरानी जैसा प्यार बहुत कम खिलाड़ियों को अपने चाहने वालों से नसीब होता है। भारतीय क्रिकेट के चाहने वालों के दिलों में वे हमेशा जिंदा रहेंगे।

सोशल मीडिया से...

सच के हक में...

नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। हां यह बात जरूर है कि इसमें विलंब हुआ। हमारे विपक्ष के साथियों की झारखण्ड विरोधी सोच और उनके द्वारा पैदा किये जा रहे अड़चनों की वजह से इसमें थोड़ी दिक्कतें आई लेकिन नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। हमारे राज्य के कर्मठ और मेहनतकश युवाओं के लिए रास्ते खुल गए हैं।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

जमशेदपुर में एक बार फिर से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई है। कदमा के शास्त्रीनगर में दंगाइयों ने आगजनी और वाहनों को क्षतिग्रस्त किया है, पूरा क्षेत्र दंगाइयों के हवाले है, क्षेत्र में निषेधाज्ञा लगाई गई है। विगत रामनवमी की घटना के बाद प्रशासन ने मामले की गंभीरता से नहीं लिया। सोरेन सरकार की तुष्टिकरण की राजनीति और अगंभीरता ने राज्य को फिर से अशांत कर दिया है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

प्रदूषित नदियां

प्रकृति से मनुष्य को मिलने वाले जीवन-स्रोतों में नदियों को लेकर जितनी चिंता जताई जाती रही है, उसी अनुपात में उन्हें बचाने की कोशिशें जमीन पर नहीं उतरीं। आज भी नदियों के प्रदूषित होते जाने पर पर्यावरणविदों की ओर से लगातार चेतावनी दी जाती है, सरकारों की ओर से जरूरी कदम उठाने की घोषणाएं होती हैं, संबंधित महकमों के जरिए अलग-अलग स्तर पर योजनाओं पर अमल करने की बात कही जाती है। मगर इन तमाम कवायदों और सदिच्छाओं के बावजूद हकीकत यह है कि देश भर में कई नदियों में प्रदूषण का स्तर इस कदर गहरा गया है कि मनुष्य के लिए मौजूदा हालत में उनकी उपयोगिता अब घटती जा रही है। बल्कि कुछ नदियों का पानी पीने लायक तो दूर, नहाने के लिए भी सुरक्षित नहीं रहा। हाल ही में केंद्र सरकार ने संसद में यह जानकारी दी कि प्रमुख नदियां देश के सभी राज्यों में प्रदूषित हो रही हैं। संसद में पेश इस जानकारी का आधार केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की पिछले दिनों एक रिपोर्ट आई है, जिसमें बताया गया है कि देश भर में दो सौ उनासी नदियां ऐसी हैं, जो तीन सौ ग्यारह जगहों पर पहुंच कर प्रदूषित हो रही हैं।

यह स्थिति अपने आप में बताने के लिए काफी है कि लंबे समय से नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लागू योजनाओं के नतीजे घोषित मकसद के मुताबिक सामने नहीं आ पा रहे हैं। सवाल है कि अगर सरकार किसी योजना को अमल में लाने की बात कहती है तो उसे वास्तव में जमीन पर उतारने को लेकर उसकी क्या जिम्मेदारी होती है! नदियों के प्रदूषित होने और उसके कारणों को चिह्नित करके उसे दूर करने के उपाय तैयार करने की एक प्रक्रिया होती है।

लेकिन आखिर क्या कारण है कि इस बात का अध्ययन तो कर लिया जाता है कि इतनी ज्यादा संख्या में नदियां तीन सौ से ज्यादा जगहों पर प्रदूषित हो रही हैं, मगर इस समस्या को दूर करने को लेकर नतीजा देने वाली कोई ठोस पहल प्रत्यक्ष नहीं दिखती। यों कहने को प्रदूषण से बेमानी हो चुकी और कई जगहों पर गंदा नाला बनती जा रही नदियों को स्वच्छ बनाने की सदिच्छाओं और घोषणों में कमी नहीं रही है। केवल गंगा और यमुना के पानी को ही साफ बनाने के लिए ह्यनमामि गंगेह्न या ह्ययमुना कार्ययोजनाह्न जैसी महत्त्वाकांक्षी योजनाएं सालों से चल रही हैं, मगर इन नदियों की स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं आया।

अब अगर खुद केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट में दो सौ उनासी नदियों के अलग-अलग राज्यों में पहुंच कर प्रदूषित होने का तथ्य दर्ज हो रहा है, तो आखिर इस मसले पर घोषित और अमल में लाई गई योजनाओं पर काम करने का तौर-तरीका और हासिल क्या रहा है? हालत यह है कि शहरों-महानगरों में बहने वाले नालों, स्थानीय स्तर पर निकलने वाला गंदा पानी से लेकर विभिन्न वस्तुएं बनाने वाले कारखानों से निकले कचरा या रासायनिक घोल को धड़ल्ले से नदियों में बहाया जाता है। सरकारों को इसकी पहचान करने में भी बहुत मुश्किल नहीं है।

इसके बावजूद नदियों को जहरीला बनाने वाले इन कारकों पर रोक लगाने और उसका वैकल्पिक उपाय करने को लेकर नतीजा देने वाली नीति नहीं दिखती। दुनिया की लगभग सभी सभ्यताओं का विकास नदियों के किनारे ही हुआ है। वक्त के साथ विकास के पायदान पर चढ़ते देश और समाज ने शहरों और बस्तियों के अलग-अलग स्वरूप में पानी के लिए नदियों पर निर्भरता कम की। लेकिन शायद इस वास्तविकता की अनदेखी की गई कि अगर प्रदूषण के बढ़ते स्तर से नदियों का जीवन नहीं बचा, तो उसका असर एक बड़ी त्रासदी के रूप में सामने आएगा।

मुझे कुछ कहना है...

विकास जरूरी है, लेकिन पेड़-पौधे, पहाड़, जल, जमीन भी जीवन के लिए उतना ही जरूरी है। तकनीकी विकास ने हमारे जीवन, हमारी कार्यप्रणाली और दिनचार्य तक को जिस गति से प्रभावित किया है, उस हिसाब से चुनौतियां की कम नहीं है। हमारे जीवन में तकनीक का हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है और हम उसके मोहपाश में बंधते जा रहे हैं। इस तकनीकी ज्ञान का कितना हस्तक्षेप होना चाहिए, इसे हम अपने अनुकूल कैसे और किस प्रकार प्रयोग कर सकते हैं, इस बात को समझने और जानने की आवश्यकता है। आने वाले दिनों में हमें अपने अस्तित्व के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाना ही होगा। टेक्निकल, सोशल मीडिया, मोबाइल टेक्नॉलजी, एनालिटिक्स और क्लाउड कम्प्यूटिंग आज जिंदगी की आवश्यकता बन चुकी है। पूर्व में कम्प्यूटरीकरण, डिजिटलीकरण के बाद अब एआई यानि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बोलबाला है। एआई को सकारात्मक रूप से इस्तेमाल करते हुए इसके चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहने कि जरूरत है। एआई के बढ़ते चलन से कामों के निष्पादन में तेजी आ रही है। साथ ही उत्पादन को बढ़ाने में भी इसका काफी सहयोग लिया जाने लगा है। कहने का मतलब यह कि मानव दैनिक जीवन में डिजिटल एआई प्रौद्योगिकियों की जबरदस्त प्रभाव क्षमता है। एक इकोसिस्टम धीरे-धीरे वैधानिक सुरक्षा उपायों के साथ विकसित हो रहा है क्योंकि यह तकनीक सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक परिवेश में एक तरह से शामिल हो चुकी है। इसके अच्छे और बुरे दोनों स्वरूप हैं। वर्तमान समय में यह स्वाभाविक है कि उद्योग जगत इन तकनीकों को आत्मसात करेगा, क्योंकि इससे लाभप्रदता, उत्पादकता, गुणवत्ता, ग्राहक संतुष्टि आदि में वृद्धि होगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि तकनीक के सकारात्मक इस्तेमाल कर देश और दुनिया का विकास होगा।

दीपक गुप्ता, साइबर सेक्युरिटी एक्सपर्ट।

दैनिक द फोटोन न्यूज, के लिए प्रकाशित एवं स्वामित्व मां मीडिया वेंचर रोस्पा टावर, चौथा तल्ला, मेन रोड, रांची, शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट + थाना - रातू, जिला - रांची, झारखंड, पिन - 835222 से मुद्रित।
प्रधान संपादक - **फहीम अख्तर*** (M) +919431311669, RNI NO. आवेदित (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), website : www.thephotonnews.com, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियन्स पर जीत के इरादे से उतरेगी दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेजबान दिल्ली कैपिटल्स की टीम मंगलवार को यहां मुंबई इंडियन्स पर जीत के साथ अपना खाता खोलना चाहेगी। अब तक हुए तीनों ही मैचों में दिल्ली को हार का सामना करना पड़ा है। वहीं मुम्बई को भी अपने शुरुआती दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। दोनो ही टीमें अंक तालिका में काफी नीचे बनी हुई हैं। ऐसे में दोनो ही टीमों के लिए ये मैच बेहद अहम माना जा रहा है। कैपिटल्स की टीम अपने घरेलू मैदान में खेलेगी जिसका उसे इस मैच में लाभ मिल सकता है।

डेविड वार्नर की कप्तानी में खेल रही दिल्ली ने अब तक अपनी टीम में कई बदलाव किये हैं पर इसके बाद भी वह लय हासिल नहीं कर पायी है। कप्तान वार्नर भी नाम के अनुसार नहीं खेल पाये हैं उनकी बल्लेबाजी में आक्रमकता की कमी दिखी है। टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज के रुप में अब तक सरफराज खान और इशान पोरेल को अवसर दिया है पर उसका भी लाभ नहीं हुआ है। सरफराज की बल्लेबाजी धीमी रही है। वहीं पोरेल के पास अनुभव की कमी है पर बल्लेबाजी में वह तेजी से रन बनाते हैं।

दिल्ली को अपने पहले ही मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स जबकि दूसरे मैच में गुजरात टाइटंस और फथ्र राजस्थान रायल्स से 57 रनों की हार झेलनी पड़ी है। वार्नर ने अब तक 158 रन बनाये हैं पर उनका स्ट्राइक रेट केवल 117 रन रहा है। वहीं उनके सलामी जोड़ीदार पृथ्वी शॉ ने तीन मैच में केवल 19 रन ही बनाये हैं।

टीम के पास मध्य क्रम में मिशेल मार्श, रोवमैन पावेल, रिली रोसेयु, मनीष पांडे जैसे बल्लेबाज है पर कोई भी सफल नहीं हुआ है। अब टीम इसने बड़ी पारी चाहेगी। टीम के पास विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में फिल सॉल्ट हैं पर इसके लिए उसे एक अन्य विदेशी खिलाड़ी को अंतिम एकादश से बाहर करना होगा। टीम की गेंदबाजी भी अच्छी नहीं रही है। खलील अहमद, मुकेश कुमार, चेतन सकारिया, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल अब तक प्रभावी नहीं दिखे। छोड़ने में नाकाम रहे। विदेशी गेंदबाजी गेंदबाज एनरिक नोर्किया भी प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ऐसे में टीम दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी और बांग्लादेश के मुस्ताफिजुर रहमान में से किसी एक को इस मैच में शामिल कर सकती है पर इसके लिए किसी एक विदेशी खिलाड़ी को बाहर करना होगा।

वहीं दूसरी ओर पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस का भी अभियान हार से शुरु

हुआ है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। कप्तान रोहित भी बड़ा स्कोर नहीं बना पाये हैं। टीम को पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने जबकि दूसरे मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स ने सात विकेट से हराया। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाजों दोनों ही विफल रहे हैं। बल्लेबाजी क्रम में रोहित के अलावा ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, कैमरन ग्रीन, टिम डेविड और तिलक वर्मा जैसे जैसे खिलाड़ी पर केवल तिलक ही प्रभावित कर पाये हैं। तिलक ने अब तक दो अर्धशतक लगाये हैं। आरसीबी के खिलाफ तिलक ने नाबाद 84 रन भी बनाये थे।

जहां तक गेंदबाजी की बात है जोफा आर्चर के लय में नहीं होने से तेज गेंदबाजी कमजोर हुई है। जेसन बेहरेनडोर्फ, ग्रीन, आर्चर और अरशद खान अब तक असरकारी नहीं दिखे हैं। स्पिनरों की बात करें तो पीयूष चावला, ऋतिक शौकीन और कुमार कार्तिकेय को भी विकेट हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। मुंबई को अगर जीत हासिल करनी है तो रोहित और ईशान को अच्छी शुरुआत करनी होगी। इसके अलावा सूर्यकुमार और ग्रीन को भी रन बनाने होंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स: डेविड वार्नर (कप्तान), पृथ्वी साव, मिशेल मार्श, सरफराज खान, अमन हाकिम खान, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, खलील अहमद, कुलदीप यादव, रोवमैन पॉवेल, रिली रोसेयु, एनरिक नोर्किया, मुस्ताफिजुर रहमान, चेतन सकारिया, मुकेश कुमार, फिल सॉल्ट, लुंगी एनगिडी, प्रवीण दुबे, ललित यादव, रिपल पटेल, विक्की ओस्तवाल, इशांत शर्मा, मनीष पांडे, कमलेश नागरकोटी और यश धुल।

मुंबई इंडियन्स: रोहित शर्मा (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, डेवाल्ड ब्रेविस, तिलक वर्मा, इशान किशन, ट्रिस्टन स्टब्स, विष्णु विनोद, कैमरून ग्रीन, अर्जुन तेंदुलकर, रमनदीप सिंह, शम्स मुलानी, रिले मेरेडिथ, नेहाल वढेरा, ऋतिक शोकीन, अर्शद खान, डुआन जेनसन, पीयूष चावला, कुमार कार्तिकेय, राघव गोयल, जोफा आर्चर, जेसन बेहरेनडोर्फ और आकाश मढवाल।

भारत ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में तीन पदक जीते

अस्ताना (एजेंसी)। युवा पहलवान रुपिन ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में रविवार को यहां ग्रीको रोमन के 55 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता जो सीनियर स्तर पर उनका पहला अंतरराष्ट्रीय पदक है। उन्नीस वर्षीय रुपिन ने जहां रजत पदक हासिल किया वहीं नीरज ने ग्रीको रोमन के 63 किग्रा में जबकि सुनील कुमार ने 87 किग्रा में कांस्य पदक जीते। रुपिन ने क्वालिफिकेशन से लेकर फाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया लेकिन खिताबी मुकाबले में वह ईरान के पोया सोलत दाद मर्ज से 1-3 से हार गए।

ला लीगा फुटबॉल में एटलेटिको ने वालेकानो को हराकर पांचवां मुकाबला जीता

मैड्रिड । स्पेनिश लीग ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में एटलेटिको मैड्रिड ने रायो वालेकानो क्लब को 2-1 से हराकर लगातार पांचवां मुकाबला जीता है। इस जीत के साथ ही एटलेटिको दूसरे स्थान पर चल रहे रीयाल मैड्रिड कलब के और करीब आ गयी है और उससे केवल दो अंक ही दूर है। इस मैच में एटलेटिको की ओर से पहले हाफ में नेहुएल मोलिना और मारिये हरमोसो ने दो मिनट के अंदर दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत पक्की कर दी। यह एटलेटिको की 11 मैच में नौवीं जीत है। इस मैच में वालेकानो को अधिकतर समय दस खिलाड़ियों से खेलना पड़ा क्योंकि उसके एक खिलाड़ी फ्लोरियन लेजेयुन को लाल कार्ड मिलने के कारण बाहर जाना पड़ा था। वहीं इससे पहले एक अन्य मैच में विलारीयाल ने रीयाल मैड्रिड को 3-2 से हरा दिया था। लीग में अभी भी बार्सीलोना क्लब सबसे ऊपर बना हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया को विश्वकप में जीत दिला सकते हैं ये दो स्पिन : पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अनुसार भारत में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और लेग स्पिनर एडम जाम्पा जीत दिला सकते हैं। पोंटिंग के अनुसार आगामी 2023 एकदिवसीय विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की सफलता के लिए ये दोनो ही खिलाड़ी अहम होंगे और ऐसे में इन दोनो को टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। स्टार्क ने हाल ही में भारत में हुई एकदिवसीय सीरीज में शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। स्टार्क ने इस दौरान आठ विकेट लिए थे। उनकी गेंदबाजी को खेलने में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम भी विफल रहा था। पोंटिंग ने कहा, यह मिचेल स्टार्क 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करता है, वह बाएं हाथ का गेंदबाज है और वह नई गेंद को वापस स्विंग कराता है, जिससे खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं रहता। सफेद गेंद वाले क्रिकेट में वह विशेष रुप से प्रभावी रहा है। वहीं स्पिनर एडम जम्पा तीन एकदिवसीय मैचों में गेंद के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बेहतर रहे हैं। उन्होंने चार विकेट लिए और केवल 4.88 रन प्रति ओवर दिए उनकी गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाज बेबस नजर आये थे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल की होने लगी तैयारी, राहुल द्रविड़ एनसीए में कोचिंग सदस्यों के साथ करेंगे बैठक

अहमदाबाद (एजेंसी)। नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के शीर्ष सितारे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त हैं लेकिन मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और उनकी टीम जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारियों के लिए मंगलवार को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में जुटेगी। भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह पक्की की है। लंदन के द ओवल में सात से 11 जून तक खेले जाने वाले फाइनल में भारत के सामने ऑस्ट्रेलिया की चुनौती होगी।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और विदेशी सरजमीं पर भारत की कुछ यादगार जीत के नायक रहे विकेटकीपर ऋषभ पंत जैसे सितारों की चोट ने टीम की परेशानी बढ़ा दी है। टीम को डब्ल्यूटीसी फाइनल

से पहले इन खिलाड़ियों का विकल्प ढूंढना होगा। इस साल के आखिर में होने वाले एकदिवसीय विश्व को देखते हुए खिलाड़ियों के कार्यभार प्रबंधन पर भी ध्यान देना होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बताया, ''द्रविड़ बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर, गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे, क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप और अन्य सहयोगी स्टाफ के साथ वीवीएस लक्ष्मण की अध्यक्षता वाली एनसीए टीम से मुलाकात करेंगे, जिसमें राष्ट्रीय टीम से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।''

एनसीए प्रमुख के तौर पर लक्ष्मण बीसीसीआई के अनुबंधित चोटिल खिलाड़ियों के रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) के साथ 'लक्षित' खिलाड़ियों (भारत, भारत ए) की प्रगति पर नज़र रखने के लिए भी जिम्मेदार हैं। वह इसके साथ ही उभरते हुए खिलाड़ियों (19 से 23 वर्ष के बीच) के प्रदर्शन पर भी नजर रखते हैं। इस बात की संभावना है कि द्रविड़ और लक्ष्मण दोनों अपनी-अपनी टीमों के साथ कार्यभार प्रबंधन और फाइनल की तैयारी के संबंध में योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इस दौरान एनसीए में खेल विज्ञान के प्रमुख नितिन पटेल से खिलाड़ियों के बार-बार चोटिल होने को लेकर कड़े सवालों का सामना करना पड़ सकता है।

आईपीएल में विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ सकता है युवा खिलाड़ी, रवि शास्त्री ने की भविष्यवाणी

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एक सत्र में सर्वाधिक 973 रन बनाने के विराट कोहली के रिकॉर्ड को गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल तोड़ सकते हैं। आईपीएल के 2016 के सत्र में भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के तत्कालीन कप्तान कोहली ने 81.08 के औसत और 152 के स्ट्राइक रेट से 973 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने चार शतक और सात अर्धशतक लगाए थे। शास्त्री ने सवाल जवाब से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि गिल में कोहली से आगे निकलने की क्षमता है तथा सलामी बल्लेबाज होने के कारण उन्हें रन बनाने के अतिरिक्त मौके मिलते हैं। उन्होंने कहा,'' वह (गिल) सलामी बल्लेबाज है और इस कारण उसे रन बनाने के अधिक अवसर मिलेंगे। मेरा मानना है कि वह शुभमन गिल होगा क्योंकि वह बहुत अच्छी फॉर्म में है और इसके अलावा शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करता है। इसलिए उसे रन बनाने के अधिक मौके मिलेंगे।'' शास्त्री ने कहा,'' पिच अच्छी हैं और इसलिए यदि वह दो-तीन पारियों में 80 से लेकर 100 रन तक बनाता है तो तब तक उसके नाम पर 300 से 400 रन दर्ज होंगे।'' उन्होंने कहा,'' मेरे हिसाब से रिकॉर्ड तोड़ना बहुत मुश्किल है क्योंकि 900 रन बहुत बड़ी संख्या है लेकिन एक बात है कि सलामी बल्लेबाज को दो अतिरिक्त मैच और दो अतिरिक्त पारियां मिलेंगी, इसलिए यदि संभव हुआ तो केवल सलामी बल्लेबाज ही इस रिकॉर्ड को तोड़ सकता है।'' कोहली के बाद आईपीएल के एक सत्र में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में जोस बटलर (863 रन) और डेविड वॉर्नर (848 रन) शामिल हैं।

28 जून से दलीप ट्रॉफी से शुरु होगा घरेलू सत्र

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2023-24 का घरेलू सत्र 28 जून से होने की घोषणा की है। यह सत्र दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट से शुरु होगा। वहीं रणजी ट्रॉफी के मुकाबले अगले साल पांच जनवरी से खेले जाएंगी।

दलीप ट्रॉफी छह क्षेत्रीय टीमों के बीच खेली जाएगी। इसके बाद देवधर ट्रॉफी लिस्ट ए टूर्नामेंट 24 जुलाई से तीन अगस्त तक होगा। ईरानी कप एक से पांच अक्टूबर जबकि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी पुरुषों की टी20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप 16 अक्टूबर से छह नवंबर और विजय हजारे एकदिवसीय ट्रॉफी 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेली जाएगी।

वहीं पुरुषों के सीनियर वर्ग में रणजी ट्रॉफी सत्र का अंतिम टूर्नामेंट रहेगा। इसके एलीट ग्रुप के लीग चरण के मैच पांच जनवरी से 19

फरवरी के बीच होगे जबकि नॉकआउट चरण का आयोजन 23 फरवरी से 14 मार्च तक खेला जाएगा। प्लेट ग्रुप के लीग मैच पांच जनवरी से पांच फरवरी के बीच जबकि नॉकआउट चरण नौ से 22 फरवरी तक होगा। एलीट वर्ग में चार ग्रुप में आठ-आठ टीमें रहेगी और हर ग्रुप की शीर्ष की दो-दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

वहीं प्लेट ग्रुप में छह में से शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए जाएंगी। प्लेट ग्रुप के फाइनल में पहुंचने वाली दोनों टीमें आगामी सत्र 2024-25 में एलीट ग्रुप में शामिल होंगी। एलीट ग्रुप की 32 टीमों की समग्र तालिका में अंतिम दो स्थान पर रहने वाली टीमें प्लेट ग्रुप में फिसल जायेंगी। इसके अलावा सीनियर महिला सत्र की शुरुआत राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप के साथ होगी। इसके मैच 19 अक्टूबर से नौ नवंबर के बीच खेले जाएंगे। इसके बाद अंतर क्षेत्रीय टी20 ट्रॉफी 24 नवंबर से चार दिसंबर तक होगी सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी और एकदिवसीय ट्रॉफी में पांच ग्रुप होंगे। इसमें दो ग्रुप में आठ-आठ टीमें जबकि बाकी के तीन ग्रुप में सात-सात टीमें होगी। हर ग्रुप की शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमें नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करेंगी।

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने विश्व आर्मेगेडोन एशिया एवं ओसियाना प्रतियोगिता जीती

बर्लिन। किशोर भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने फाइनल में पूर्व विश्व रेपिड चैंपियन उज्बेकिस्तान के नादिरबेक अब्दुसतारोव को हराकर रविवार को यहां विश्व शतरंज आर्मेगेडोन एशिया एवं ओसियाना प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। सोलह साल के गुकेश ने उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में जीत दर्ज की। पहली बाजी में चूकने के बाद गुकेश को दूसरी बाजी में हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने 'अतिरिक्त मौके' का इस्तेमाल करते हुए अब्दुसतारोव के खिलाफ मुकाबले को दोबारा शुरू कराया। 'नए' मुकाबले की पहली बाजी ड्रॉ रही लेकिन भारतीय ग्रैंडमास्टर अगली बाजी जीतकर चैंपियन बना। गुकेश और अब्दुसतारोव दोनों को सितंबर में होने वाले आर्मेगेडोन ग्रैंड फिनाले में जगह मिली। इस टूर्नामेंट में गुकेश और अब्दुसतारोव के अलावा पूर्व विश्व क्लासिकल चैंपियन व्लादिमीर क्रैमनिक, डेनिल डुबोव, चीन के यांगयी यू, भारत के विदित गुजराती और कार्तिकेयन मुरली तथा ईरान के परम माघसोदलो जैसे खिलाड़ी हिस्सा ले रहे थे। गुकेश ने जीत के बाद ट्वीट किया, ''विश्व शतरंज की आर्मेगेडोन चैंपियनशिप सीरीज 2023 का रोमांचक एशिया ओसियाना ग्रुप जीतने की खुशी है।'' पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने इस युवा ग्रैंडमास्टर की उपलब्धि की सराहना की। आनंद ने ट्वीट किया, ''डी गुकेश को बधाई। शानदार उपलब्धि विशेषकर अलग तरह के समय नियंत्रण को देखते हुए। गर्व है कि वाकाचेस के हमारे शिष्य ने हमें एक बार फिर गौरवांवित किया।'' टूर्नामेंट के प्रत्येक दिन मैच में दो ब्लिट्ज बाजियां खेली जाती थी और अगर जरूरत पड़ी तो आर्मेगेडोन बाजी (सफेद मोहरों के लिए पांच मिनट, काले मोहरों के लिए चार मिनट) खेली जाती थी। आर्मेगेडोन बाजी ब्लिट्ज बाजी का एक प्रकार है जो मुकाबले के ड्रॉ होने पर खेला जाता है। आर्मेगेडोन बाजी ड्रॉ होने पर काले मोहरो से खेलने वाले को विजेता घोषित किया जाता है।

विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के लिए 17 अप्रैल को उज्बेकिस्तान रवाना होंगे थापा सहित सभी मुक्केबाज

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज शिव थापा और दीपक भोरिया 30 अप्रैल से 14 मई तक उज्बेकिस्तान के ताशकंद में होने वाली पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के लिए भारतीय दल के साथ 17 अप्रैल को रवाना होंगे। शिवा ने दोहा में 2015 में विश्व चैम्पियनशिप का कांस्य पदक जीता था। अब उनका लक्ष्य इस बार अपने पदक का रंग बदलना रहेगा। वह 63.5 किग्रा वजन वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वहीं दीपक 51 किग्रा फ्लाईवेट वजन वर्ग में उतरेंगे। दीपक ने 2021 में स्ट्रेंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में 2016 रियो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और 2019 विश्व चैम्पियन उज्बेकिस्तान के शाखोबिदिन जोइरोव को हराकर सभी का ध्यान खींचा था। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, ''पुरुष टीम काफी कड़ी मेहनत कर रही है और मैं उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनायें देता हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि हर मुक्केबाज बेहतर प्रदर्शन करेगा।''

भारतीय टीम 17 अप्रैल को ताशकंद के लिए रवाना होगी और विश्व चैम्पियनशिप से पहले कई देशों के अभ्यास शिविर में भी भाग लेगी। भारतीय टीम में अनुभवी एशियाई चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन भी शामिल हैं जो 57 किग्रा वजन वर्ग में हिस्सा लेंगे। तोक्यो ओलंपियन और 2019 एशियाई चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता आशीष चौधरी दूसरी बार इस प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वहीं स्ट्रेंड्जा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट में रजत विजेता गोविंद साहनी 48 किग्रा में उतरेंगे। इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक

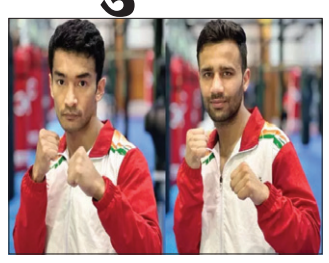

विजेता को दो लाख डॉलर, रजत पदक जीतने वाले को एक लाख डॉलर और दोनों कांस्य पदक विजेताओं को 50,000 डॉलर पुरस्कार राशि मिलेगी।

पांच छक्के जड़कर रिंकू सिंह ने रचा इतिहास, आईपीएल में बनें हैं ये रिकॉर्ड जिन्हें तोड़ना है काफी मुश्किल

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेले गए मुकाबले में ककेआर के रिंकू सिंह का बल्ला मैदान में जमकर रनों की बरसात कर गया। गुजरात टाइटंस की टीम के हाथ से मैच खिसकाने में रिंकू सिंह की पूरी भूमिका रही। रिंकू सिंह ने अंतिम ओवर में धुआंदार खेल दिखाते हुए गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की नींद उड़ा दी और लगातार पांच छक्के लगाकर मैच अपने नाम कर लिया। रिंकू सिंह की तूफानी पारी की चर्चा पूरे क्रिकेट जगत में हो रही है। रिंकू ने अंतिम ओवर में ऐसी पारी खेल कर दिखाई जो आईपीएल के 16 सीजन में अब तक नहीं खेली गई है। अंतिम ओवर में 29 रनों को सफलतापूर्व चेज कर टीम को जीत दिलाने में रिंकू सिंह का ही नाम है। उन्होंने अंतिम ओवर में पांच छक्के जड़कर नया रिकॉर्ड कायम कर लिया है। रिंकू ने 21 गेंदों में 1 चौके और 6 छक्कों की मदद से नाबाद 48 रन बनाए। वहीं रिंकू के इस शानदार रिकॉर्ड को तोड़ना अब काफी मुश्किल लग रहा है।

- किसी बल्लेबाज द्वारा किसी पारी के अंतिम 20वें ओवर में लक्ष्य तक पहुँचने के दौरान सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड
- रनों का पीछा करते हुए 20वें ओवर में लगातार पांच छक्के जड़ने का रिकॉर्ड
- आखिरी ओवर में सबसे ज्यादा 31 रन बनाकर टारगेट पूरा करने का रिकॉर्ड
- रिंकू सिंह ने 7 गेंदों में 40 रन बनाए। यह आईपीएल इतिहास में किसी बल्लेबाज के नाम दर्ज रिकॉर्ड है।
- आखिरी ओवरों में रिंकू की तूफानी पारी आईपीएल इतिहास में दर्ज हो गई है

ऐसा था मुकाबला

गुजरात द्वारा दिए गए 205 रनों के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मैदान में उतरे केकेआर के वेंकटेश अय्यर ने 83 रनों की पारी खेलकर जीत की ओर कदम बढ़ाया। लेकिन, 17वें ओवर में राशिद खान ने विकेटों की हैट्रिक लेकर केकेआर को बड़ा झटका दिया। हालांकि, रिंकू की पारी ने आखिरी ओवर में केकेआर को ऐसी जीत दिलाई की ये आईपीएल के इतिहास में शामिल हो गया।

इटालियन ओपन 10 से 21 मई के बीच खेला जाएगा

रोम । इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में इस साल यह टूर्नामेंट 10 से 21 मई के बीच खेला जाएगा और इसमें कई शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। वहीं साल 2025 से इस टूर्नामेंट में महिला और पुरुष खिलाड़ियों को समान ईनामी राशि मिलेगी। साल 2025 से ही यह नियम लागू होगा। पिछले काफी समय में ईनामी राशि को बराबरी पर लाने की मांग होती रही है। कई बार महिला खिलाड़ियों ने कम राशि मिलने पर नाराजगी जतायी है। इगा स्वियातेक ने पिछले साल जब यह टूर्नामेंट जीता था तो उन्हें पुरुष वर्ग के विजेता खिलाड़ी नोवाक जोकोविच से आधे से भी कम पुरस्कार राशि मिली थी। स्वियातेक को 332,260 यूरो (364,000 अमेरिकी डॉलर) का इनाम मिला, जबकि जोकोविच को 836,355 यूरो (916,000 अमेरिकी डॉलर) का भुगतान किया गया था। इतालवी टेनिस महासंघ के अध्यक्ष एंजेलो बिनघी ने कहा,''इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जबकि हमने ऐसी प्रक्रिया शुरू की है जिससे आने वाले समय में महिला और पुरुष टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को समान पुरस्कार राशि मिलेगी।''

उर्वशी रौतेला के सामने टला बड़ा हादसा

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला हाल ही में फैशन और ग्लैमर अकेडमी के लॉन्च के लिए जयपुर पहुंचीं, जहां उनकी फैन के साथ एक ऐसा हादसा हो गया, जिसे देख एक्ट्रेस घबरा गईं। साथ ही उर्वशी ने उस फैन का पूरा सहयोग किया और अस्पताल पहुंचने के बाद उसका हाल भी जाना। दरअसल, लॉन्च इवेंट में उर्वशी रौतेला फैंस के साथ सेल्फी क्लिक करा रही थीं। जब वह सभी के साथ मिलकर केक कट करने वाली थीं तो उसपर कैंडल जलाते समय एक लड़की के चेहरे तक आग पहुंच गई और उसके बाल जल गए, जिसे देख उर्वशी रौतेला डर गईं। उर्वशी ने उस लड़की को तुरंत अस्पताल में इलाज की सलाह देते हुए उसे डॉक्टर के पास भेज दिया और बाद में कॉल पर लड़की का हाल भी जाना। फैंस को एक्ट्रेस का ये जेस्चर खूब पसंद आ रहा है।

विक्की कौशल के साथ पर्दे पर नाजर आएंगी सारा

विक्की कौशल ने हाल ही में मेघना गुलजार निर्देशित बायोपिक सैम बहादुर पूरी कर ली है। अब बहुत जल्द वो मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले नई फिल्म छावा शुरू करने वाले हैं, जिसकी शूटिंग सितंबर से शुरू होगी। इस फिल्म को अगले साल लाने की तैयारी है। दोनों बड़े बजट की फिल्में हैं। इसके अलावा उनके पास मैडॉक बैनर से एक और फिल्म है, जिसका टाइटल जरा हटके जरा बचके या घर घर की बात में से एक हो सकता है। फिल्म का फाइनल टाइटल क्या होगा, इसकी कोई कंफर्मेशन नहीं है। इसके अलावा विक्की के खाते में यशराज बैनर की एक मीडियम बजट की फिल्म है, जिसका टाइटल है द ग्रेट इंडियन फैमिली। इसमें उनके साथ मानुषी छिल्लर हैं, इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिलहाल इसकी रिलीज डेट तय नहीं है। तकरीबन डेढ़ साल से अधिक समय से ये रिलीज का बाट जोह रही हैं। मेकर्स फिल्म को है सही रिलीज डेट का इंतजार मैडॉक बैनर की फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' में सारा अली खान हैं। इसकी रिलीज डेट पर अब तक कोई क्लैरिटी नहीं है। बैनर की ओर से अब तक कोई अनाउंसमेंट नहीं आई हैं। ये एक फैमिली फिल्म है। इसमें विक्की इंदौर के युवा के रोल में हैं। उन्होंने इस फिल्म के लिए हिंदी को इंदौरी टोन में बोलने का लहजा भी सीखा है।

उसकी ट्रेनिंग उन्होंने कलाकार और डायलेक्ट कोच प्रतीक्षा नय्यर से ली। प्रतीक्षा के शब्दों में, 'पहले तो लोग यह जान लें कि उसका टाइटल लुका छिपी 2 तो नहीं है। इसकी रिलीज में भी बेशक जरा डिले हुआ है।

इंदौरी टोन में बोलते दिखेंगे विक्की

प्रतीक्षा आगे बताती हैं शूट पर जाने से पहले पूरी स्टोरी उन्हें इंदौरी में नैरेट की गई। विक्की ने सेट पर उसी टोन में बोलना शुरू किया ताकि व लहजा जल्द पिक कर लें।

सोशल इश्यू पर बेस्ड है सारा-विक्की की ये फिल्म

सारा का किरदार प्रॉपर इंदौर से नहीं रखा गया है। राकेश बेदी इसमें उनके पिता के रोल में हैं। दो से ढाई महीने इंदौर में ही फिल्म शूट हुई। बाकी 25 दिन मुंबई में शूट हुई। यह साल 2021 में ही शूट हुई थी। फिल्म के कुछ सीन विक्की की शादी के ठीक बाद शूट किए गए। इधर, ट्रेड पंडितों का कहना है कि विक्की और सारा की इस फिल्म थिएटर्स में ही रिलीज करने की तैयारी है। इन दिनों फिल्म पोस्ट प्रोडक्शन स्टेज में है। इसी साल मई से जून में क्लियर विंडो मिलने पर फिल्म को रिलीज करने की तैयारी चल रही है।

जरा हटके जरा बचके के गानों की मिक्सिंग का काम चल रहा है

फिलहाल गानों की मिक्सिंग का काम चल रहा है। मैडॉक के लिए लगातार गाने कंपोज करने वाले सचिन जिगर ही इसका म्यूजिक बना रहे हैं। इसमें सारे गाने फ्रेश हैं। अमिताभ भट्टाचार्य से गाने लिखवाए गए हैं। राइटिंग में मैत्रेयी बाजपेयी और रमीज खान की सेवाएं ली गई हैं।

मैं झुकने वालों में से नहीं हूं: करण जौहर

अनुष्का शर्मा के साथ करण जौहर का हाल में ही एक वीडियो वायरल हुआ था। इस पुराने वीडियो में वह ये कहते सुनाई दिए कि वह उस समय एक्ट्रेस का करियर बर्बाद करना चाहते थे। ऐसे में करण जौहर को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब करण जौहर ने एक पोस्ट में कथिततौर पर इनसबका जवाब दिया है। हाल में ही करण जौहर और अनुष्का शर्मा का एक वीडियो खूब वायरल हुआ था, जिसमें करण जौहर ये कहते दिखाई दिए कि वह उस समय अनुष्का शर्मा का करियर बर्बाद करना चाहते थे। इस वीडियो के वायरल होने के बाद करण जौहर को कई स्टार्स की आलोचना सहनी पड़ी थी। विवेक अग्निहोत्री और अपूर्व असरानी उनपर खूब भड़क उठे थे। खैर फिल्ममेकर ने इस पूरे मसले पर चुप रहना ही ठीक समझा। मगर अब इस पूरे विवाद के बीच करण जौहर ने क्रिप्टिक पोस्ट लिखा है। जिसे देख ऐसा लगता है कि उन्होंने हर सवाल का जवाब दे दिया है। कुछ दिनों पहले ट्विटर पर एक पुराना वीडियो वायरल हुआ था जिसमें करण जौहर ये कबूल करते हैं कि वह एक वक्त पर अनुष्का शर्मा का करियर तबाह करना चाहते थे। रब ने बना दी जोड़ी में जब आदित्य चोपड़ा एक्ट्रेस को कास्ट करना चाहते थे तो करण जौहर ने उन्हें रोका था। डायरेक्टर ने अनुष्का की तस्वीर देख कहा था कि तुम पागल हो जो अपनी फिल्म में इसे साइन कर रहे हो। मगर बाद में उन्हें बहुत अफसोस हुआ था कि उन्होंने ये सब सोचा। खुद करण जौहर ने अनुष्का को अपनी फिल्मों में लिया था।

करण जौहर का ये जवाब समझें?

करण जौहर को इस पुराने वीडियो के चलते काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। मगर अब करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। जिसे इन सबका जवाब समझा जा सकता है। करण ने लिखा- लगा लो इल्जाम.... हम झुकने वालों में से नहीं, झूठ का बन जाओ गुलाम, हम बोलने वालों में से नहीं, जितना नीचा दिखाओगे, जितना आरोप लगाओगे, हम गिरने वालों में से नहीं, हमारा कर्म हमारी विजय है, आप उठा लो तलवार, हम मरने वालों में से नहीं।

प्रियंका ने भी उठाए थे सवाल

वैसे इससे पहले प्रियंका के बयानों के बाद भी करण जौहर चर्चा में थें। दरअसल प्रियंका चोपड़ा ने इंडस्ट्री को लेकर जो सवाल दागे थे उसके बाद फिर से नेपोटिज्म और इंडस्ट्री के दबाव की डिबेट उठ खड़ी हुई थी। प्रियंका चोपड़ा ने बिना किसी का नाम लिए बॉलीवुड पर आरोप लगाए थे कि यहां बहुत पॉलटिक्स होती है। उन्हें भी किनारा किया गया था और इन सब से तंग आकर वह दूर हो गई थीं। प्रियंका के इस बयान पर तुरंत एक बार फिर कंगना रनौत ने रिएक्ट किया। उन्होंने इस बहस में करण जौहर का नाम खींच लिया।

फटाफटी के लिए रिताभरी चक्रवर्ती ने बढ़ाया 25 किलो वजन

रिताभरी चक्रवर्ती इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म फटाफटी को लेकर इंटरनेट पर चर्चा में हैं। इस किरदार के लिए अभिनेत्री को 25 किलो वजन बढ़ाना था और डबल साइज मॉडल की रोल में सहजता से फिट होना था। यह जितना रोमांचक लगता है उतना है नहीं, अभिनेत्री ने साझा किया कि उन्होंने यह कैसे किया और किन किन बाधाओं का सामना किया। रिताभरी कहती हैं, मुझे बहुत अधिक कार्ब्स का सेवन करना पड़ता था। मैंने सचेत होकर खाना बंद कर दिया और मुझे आमतौर पर जितना होता है उससे कहीं अधिक खाना पड़ा। ऐसे समय थे जब मेरा शरीर इसे सहन नहीं कर सका और इसे बाहर निकाल दिया। ऐसे क्षण थे जहां मुझे कमजोरी महसूस हुई। वजन बढ़ाना उतना रोमांचक नहीं है जितना लगता है। ऐसे दिन थे जब मैं एक मंजिल पर चढ़ते-चढ़ते थक जाती थी, सेट पर थक जाती थी, और ज्यादातर समय थकान महसूस करती थी। वह आगे कहती हैं, जब परिणाम जनता के सामने आया और लोगों के प्यार, सम्मान और प्रशंसा ने मेहनत को सफल बना दिया। मेरे आसपास इतने प्यारे लोग होने के लिए मैं बहुत आभारी हूं। यह प्यार, समर्थन मुझे आगे बढ़ाता है। फटाफटी का निर्देशन अरित्रा मुखर्जी ने किया है। वह पहली बार अबीर चटर्जी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा कर रही हैं, लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री स्वस्तिका दत्ता एक महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। कहानी और पटकथा ज़िनिया सेन की है, संवाद समरग्नी बंद्योपाध्याय द्वारा दिए गए हैं फिल्म विंडोज द्वारा निर्मित है। ब्रह्मा जानेन गोपोन कोमोती के बाद फटाफटी विंडोज के साथ रिताभरी की दूसरी फिल्म है। फिल्म 12 मई 2023 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

पुष्पा 2 से अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक आउट

फिल्म पुष्पा से लोगों के दिलों पर राज करने वाले सुपरस्टार अल्लू अर्जुन एक बार फिर फैंस का दिल जीतने आ रहे हैं। बीते दिन उनकी अपकमिंग फिल्म पुष्पा 2 का धमाकेदार टीजर रिलीज किया गया, जिसे फैंस ने बहुत पसंद किया। वहीं, अब इसके बाद एक्टर ने फिल्म से अपना फर्स्ट लुक जारी कर दिया है, जिसे देख लोग दंग रह गए। इसमे अल्लू का एक दम अलग लुक देखने को मिल रहा है, जिस पर लोग कमेंट कर अपनी खूब प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सामने आए नए लुक में अल्लू अर्जुन साड़ी पहने एकदम अलग लुक में नजर आ रहे हैं। एक्टर ने हाथों में चूड़ियां, गले में नींबू माला और जूलरी पहनी हुई है और ब्लू कलर का मेकअप किया है। उनका ये लुक देवी मां से मिलता दिख रहा है। फैंस अल्लू अर्जुन के इस पोस्टर को खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट कर कह रहे हैं, आइकन स्टार अल्लू अर्जुन इंडियन सिनेमा को अलग स्तर पर ले जा रहे हैं।

यामी गौतम लगातार सबसे सफल फिल्में दे रही है - कंगना रनौत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने चोर निकल के भागा में एक्ट्रेस यामी गौतम की एक्टिंग की जमकर तारीफ की और उन्हें प्रेरक बताया। कंगना ने इंस्टाग्राम पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यामी द्वारा शेयर की गई एक तस्वीर पोस्ट की। ओरिजनल पोस्ट के अनुसार, फिल्म नेटफ्लिक्स पर विश्व स्तर पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय फिल्म बन गई। कंगना ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, यामी गौतम बहुत अच्छा कर रही हैं। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई चोर निकल के भाग का निर्देशन अजय सिंह ने किया। 24 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित होने वाली फिल्म में सनी कौशल और शरद केलकर भी शामिल हैं। वहीं कंगना की बात करें तो चंद्रमुखी 2, इमरजेंसी, तेजस, मणिकर्णिका द लीजेंड ऑफ दिद्दा और द अवतार- सीता में नजर आएंगी। इस बीच, यामी प्रतीक गांधी के साथ धूम धाम और अक्षय कुमार के साथ ओएमजी 2 में दिखाई देंगी।

शाहिद -कृति की हॉट अदाओं ने इंटरनेट का बढ़ाया पारा

जियो स्टूडियो रोमांस की एक और अनूठी कहानी पेश करने के लिए तैयार हैं! कॉकटेल, लव आज कल, और लुका छुपी जैसी नई रोमांटिक कॉमेडी के निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर शाहिद कपूर और कृति सनोन अभिनीत अपनी नवीनतम परियोजना की फिल्म रैप की घोषणा की है... टीम ने फिल्म से एक सनसनीखेज स्नैपशॉट जारी किया. जिसमें शाहिद कपूर और कृति सेनन की हॉट केमिस्ट्री ने इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है. न केवल यह जोड़ी एक साथ शानदार दिखती है, बल्कि एक रोमांचकारी पहले कभी नहीं देखा अपील भी है!'